Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20 भारत 2023 INDIA

अत्तदीपो भव

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय

कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश (भारत)

SIDDHARTH UNIVERSITY

Kapilvastu, Siddharth Nagar, Uttar Pradesh (IND)

Admission Bulletin

प्रवेश विवरणिका - 2023-24

A Center For Higher Learning

suksn.edu.in info@suksn.edu.in suksn.1 suk_uni registrarsidduniv

Index
अनुक्रमणिका

Emblem of the University विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह	01
Message from the Vice Chancellor कुलपति का संदेश	02-03
About the University सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के बारे में	04-05
Vision Statement दृष्टि वक्तव्य	06
Mission Statement विश्वविद्यालय का लक्ष्य	07-08
Core Values मूल सिद्धांत	09-10
University Governance Framework विश्वविद्यालय प्रशासनिक संरचना	11-12
General Information and Instructions Academic Session 2023-24 सामान्य सूचना एवं निर्देश शैक्षणिक सत्र 2023-24	13
General Rules for admission in various courses विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य नियम	14-16
Notice - Competent authorities for issuing the certificates सूचना - सक्षम प्राधिकारी प्रमाण पत्र जारी करने के लिए	17
General Instructions for admissions in various courses विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य निर्देश	18-19
Programmes offered in University Campus विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कार्यक्रम	20
Faculty of Arts कला संकाय	21-27
Faculty of Commerce वाणिज्य संकाय	28-33
Faculty of Science विज्ञान संकाय	34-37
Faculty of Agriculture कृषि संकाय	39
Faculty of Education and Physical Education शिक्षा और शारीरिक शिक्षा संकाय	40
Highlights of the University विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषताएं	41-44
Life at a Campus परिसर में जीवन	45-50
Siddharth Incubation Foundation सिद्धार्थ इन्क्यूबेशन फाउंडेशन	51
Pt. Deendayal Upadhayay Shodhpeeth प० दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ	51
International Buddhist Center अंतरराष्ट्रीय बौद्ध केन्द्र	52

Emblem of the University

The emblem of the University depicts the philosophy of the University, which is based on creating an environment of harmony and progress by encouraging the stakeholders to enlighten themselves. The central space of the emblem has Lord Buddha on the lotus in the 'dhamma chakra mudra' – first of the ten mudras of Buddha image and depictions. Buddha depicted this gesture during his first sermon in the knowledge of the divine law at Sarnath. The image of the posture of Buddha reflects the ideology of the University for the pursuit of knowledge which is contemporary, adaptive, enlightening and liberating; while following the divine laws of humanity and nature.

The emblem is crowned with the motto of the University 'atta deepo bhava' that means 'be the light to oneself'. The motto invokes the efforts for the self-realization of a person to see the world in the light of his own enlightenment.

At the base of the emblem is lotus which is the reflection of prosperity and spirituality. It reflects following dharma with divinity, compassion, and intelligence towards scientific pursuit of the immortal truth.

विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह

विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह विश्वविद्यालय का दर्शन प्रकट करता है, जो हितधारकों को स्वयमेव को प्रबुद्ध करने के लिए प्रोत्साहित करके सद्भाव और प्रगति का वातावरण बनाने पर आधारित है। प्रतीक चिन्ह के केंद्रीय स्थान में 'धम्म चक्र मुद्रा' में कमल पर विराजमान भगवान बुद्ध की छवि है। यह भगवान् बुद्ध की दस मुद्राओं में से प्रथम छवि है। भगवान् बुद्ध ने सारनाथ में दिव्य नियमों के ज्ञान में अपने पहले धर्मोपदेश के दौरान इस भाव का चित्रण किया था। बुद्ध की इस मुद्रा की छवि, मानवता और प्रकृति के दिव्य नियमों का पालन करते हुए समकालीन, अनुकूल, प्रबुद्ध और मुक्तिदायक ज्ञान की साधना हेतु विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है ।

प्रतीक चिन्ह में विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य 'अत्त दीपो भव' मुकुट रूप में सुशोभित है, जिसका अर्थ है 'स्वयं के लिए प्रकाश बनें'। आदर्श वाक्य किसी भी व्यक्ति के स्वयं के ज्ञान के प्रकाश में विश्व को आलोकित करने हेतु आत्म-साक्षात्कार के प्रयासों का आह्वान करता है।

प्रतीक के आधार में कमल का पुष्प है जो समृद्धि और आध्यात्म का प्रतिबिंब है। यह अमर सत्य की वैज्ञानिक खोज के प्रति दिव्यता, करुणा और बुद्धिमत्ता के साथ धर्म का पालन करने की ओर इंगित करता है।

Message from the
Vice Chancellor

Prof. Hari Bahadur Srivastava

The Siddharth University's motto 'Be a light unto yourself' has been adopted from the Buddha's last words – 'at̄ta deepo bhava'. It illustrates the importance of one's own efforts, inquisition and trust towards self-realization or enlightenment. This requires one's own right pursuit and temper to be enlightened to oneself. At Siddharth University we believe that an aspirant of self-knowledge has to uncover and realize oneself and initiate right efforts for higher path of virtue. With a right set of environment, blended with the solemn and serene surrounding of lush green vegetation, we empower the learners to lead themselves towards higher goals of life.

The University has three faculties namely; Faculty of Arts, Commerce and Science, at the campus and Law as well as Education and Physical Education in affiliated colleges, which offer blend of traditional and professional programs at undergraduate, post-graduate and Ph.D. programs. The Faculty of Commerce includes management studies and vocational courses also, which provides new career prospects to the students. The inclusion of stream of management studies and vocational courses provides new career prospects to the students. With the adoption of National Education Policy 2020 and Choice based Credit System, the students have a high opportunity to choose their path of learning. The knowledge, skills and values are the three core pillars of systemic learning at the University. The high-speed internet, residential facilities and modern infrastructure adds value to this seat of learning.

We have highly dedicated faculty mentors who have earned reputation at national as well as international level, through their research, social contribution and teaching. They are available round the clock for nurturing the young minds and to enable them to evolve as a passionate, self-reliant citizens. The centre of excellences and incubation center provides the research thrust for understanding the contemporary issues with a scientific rigour and existing knowledge base.

Siddharth University is one of the fastest growing institutions of higher learning. With the support of the State of Uttar Pradesh, in India, and various funding agencies and collaborations with academic and research institutions, the University is providing an opportunity to illuminate oneself with knowledge and skills and become an enlightened soul. The soul of Buddha is residing among all of us. At Siddharth University we come together to rediscover and be of our own kind. I invite you to be a part of this serene and dynamic learning environment and explore the best within yourself to contribute to the development of the nation.

प्रो. हरी बहादुर श्रीवास्तव

कुलपति
का संदेश

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य 'अपना प्रकाश स्वयं बनो' बुद्ध के अंतिम शब्दों - 'अत्त दीपो भव' से अपनाया गया है। यह आत्म-साक्षात्कार या आत्मज्ञान के प्रति स्वयं के प्रयासों, जिज्ञासा और विश्वास के महत्व को दर्शाता है। इसके लिए स्वयं को प्रबुद्ध करने के लिए स्वयं की सही खोज और उत्तम स्वभाव की आवश्यकता होती है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में हम मानते हैं कि आत्म-ज्ञान के आकांक्षी को स्वयं को पहचानना है और इसके लिए सदाचार के उच्च मार्ग पर सही प्रयास शुरू करना है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में उचित पर्यावरण में, हरी-भरी वनस्पतियों एवं आस-पास के गंभीर तथा शांत वातावरण में, हम शिक्षार्थियों को जीवन के उच्च लक्ष्यों की ओर ले जाने के लिए सशक्त करने का प्रयास करते हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में तीन संकाय हैं: कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय। इसके अलावा संबद्ध महाविद्यालयों में कानून के साथ-साथ शिक्षा और शारीरिक शिक्षा संकाय के अंतर्गत विश्वविद्यालय स्नातक, स्नातकोत्तर और पी एच डी स्तर पर पारंपरिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करता है। प्रबंधन अध्ययन और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों द्वारा छात्रों को जीविका हेतु की नई संभावनाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम को अपनाने के साथ, छात्रों के पास सीखने के उच्च स्तरीय संसाधन एवं अवसर उपलब्ध हैं। ज्ञान, कौशल और जीवन मूल्य विश्वविद्यालय के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट, आवासीय सुविधाएं और आधुनिक आधारभूत संरचना अधिगम हेतु इस ज्ञान के मंदिर में उत्तम व्यवस्था उपलब्ध कराते हैं।

विश्वविद्यालय में समर्पित अध्यापकगण हैं जिन्होंने अपने शोध, सामाजिक योगदान और शिक्षण के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा अर्जित की है। वे युवा दिमागों के पोषण हेतु चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं और उनका ज्ञानमयी संसर्ग छात्रों को एक संवेदनशील तथा आत्मनिर्भर नागरिक के रूप में विकसित करने में सक्षम बनाता हैं। विश्वविद्यालय में स्थापित उत्कृष्टता केंद्र और इन्क्यूबेशन केंद्र, वैज्ञानिकता के साथ अनुसंधान के द्वारा मौजूदा ज्ञान आधार के साथ समसामयिक मुद्दों को समझने के लिए समान अवसर प्रदान करते हैं।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से बढ़ते संस्थानों में से एक है। भारत में उत्तर प्रदेश राज्य और विभिन्न फंडिंग एजेंसियों और शैक्षणिक और शोध संस्थानों के सहयोग से, विश्वविद्यालय ज्ञान और कौशल के साथ खुद को प्रकाशित करने और एक प्रबुद्ध आत्मा बनने का अवसर प्रदान कर रहा है। बुद्ध हम सबके के आत्म में है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में हम स्वयं को पहचान कर अपने सामर्थ्य को पहचाने हेतु एकत्रित हैं। मैं आपको शांति और गतिशीलता के साथ सीखने के इस वातावरण का हिस्सा बनने और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए तथा अपने भीतर के सर्वश्रेष्ठ मानव को तलाशने के लिए आमन्त्रित करता हूं।

About the University

Situated in the abode of lord Buddha, Siddharth University was established as a State University, in June 2015, at Kapilvastu, Siddharth Nagar, Uttar Pradesh, India. The University has an objective of enlightening and igniting the young minds while blending traditional wisdom with modern education. This center of higher learning is focused on serving the world with the qualified and skilled manpower who have high moral and ethical values. Buddha's path of inquiry is the core of the learning and academic rigor at Siddharth University. The preaching of Lord Buddha is aimed at enlightening and igniting the youth of area with his preaching of eightfold path of righteousness.

The academic programs are focused in developing the employability and placeability of the students. Situated in a serene environment of lush green fields, calm enabling habitat, suitable modern infrastructure and amenities, the University is suitably distant from the hustle of the urban cities.

The University caters to all the sections of the society. It extends support to socially and economically weaker sections of the society through its cost effective measures and scholarships. The institution has gained its position for its academic prowess and is gaining momentum to be among the best desinations of learning at higher education level. It is one of the fastest growing center of learning that nurtures the cross-cultural environment and contributes to the sustainable development of the country and globe at large.

The environment of the University is meditatively lucrative for germinating the innovative ideas and solutions through deep thinking, research and experimentation helpful for divine learning at the land of Buddha, i.e. Kapilvastu.

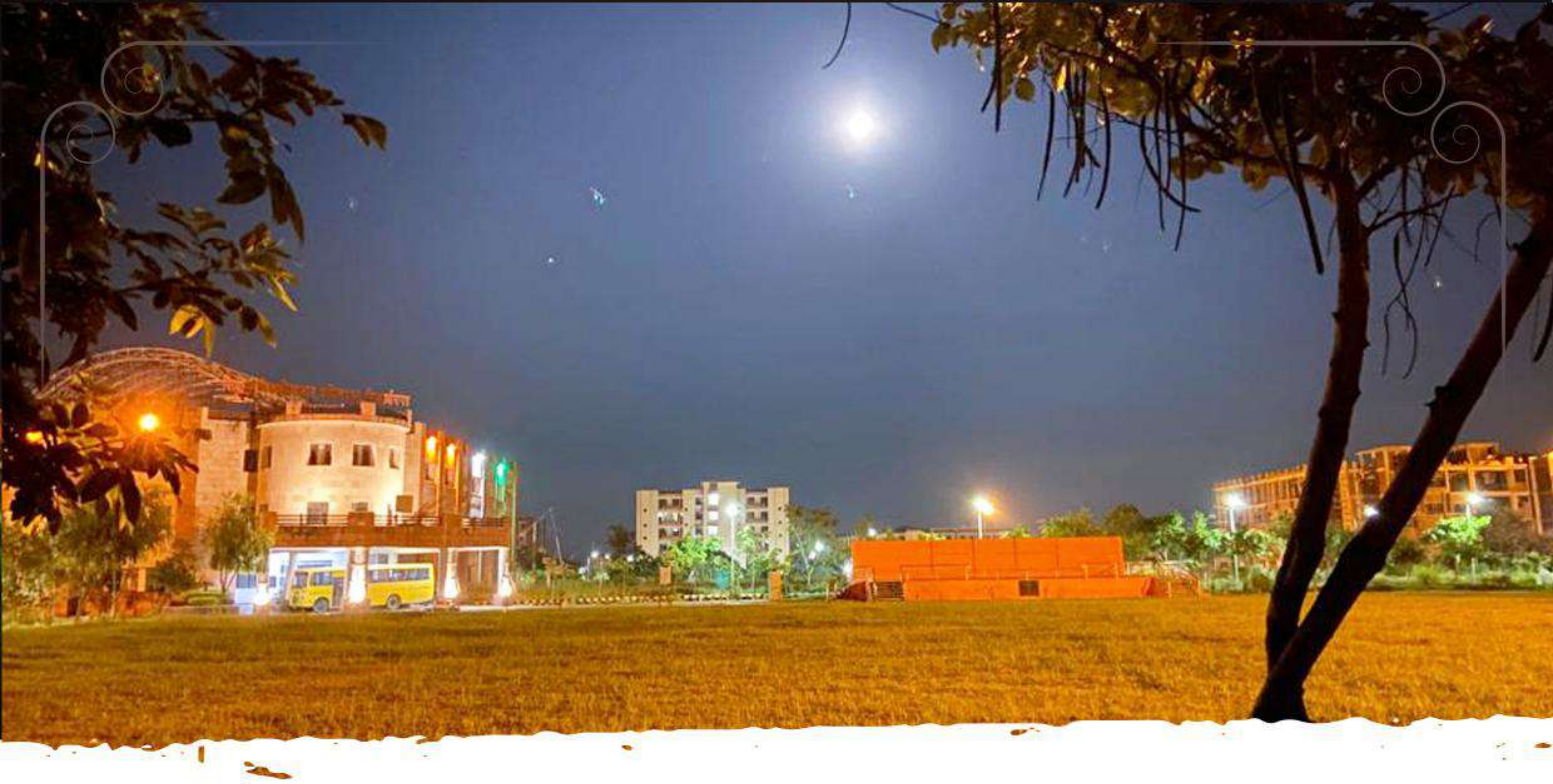

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के बारे में

भगवान बुद्ध के पैतृक निवास की पवित्र भूमि पर स्थित, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की स्थापना जून 2015 में, कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश, भारत में एक राज्य विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी। विश्वविद्यालय का उद्देश्य आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ पारंपरिक ज्ञान का संयोजन करते हुए युवा मन को प्रबुद्ध और प्रज्ञावान बनाना है। उच्च शिक्षा का यह केंद्र उच्च आदर्शों के साथ नैतिक मूल्यों से शीलवान, योग्य और कुशल जनशक्ति सम्मोह को तैयार कर विश्व की सेवा करने हेतु प्रतिबद्ध है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में अकादमिक दृढ़ता एवं अधिगम, बुद्ध द्वारा प्रेरित आत्मान्वेषण द्वारा ज्ञान प्राप्ति पर आधारित है। विश्वविद्यालय भगवान बुद्ध द्वारा दर्शाय गए धार्मिकता के अष्टांग मार्ग को ध्यान रखते हुए युवाओं को प्रबुद्ध और प्रज्वलित करने का प्रयास करता है।

यहाँ पर अकादमिक कार्यक्रम छात्रों की रोजगार क्षमता और विशेष कार्यकौशल की योग्यता को विकसित करने पर केंद्रित हैं। हरे-भरे खेतों, शांत सक्षम आवास, उपयुक्त आधुनिक बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं के शांत वातावरण में स्थित, विश्वविद्यालय शहरी हलचल से उपयुक्त रूप से दूर है।

विश्वविद्यालय समाज के सभी वर्गों की सेवा हेतु समर्पित है। यह प्रभावी उपायों और छात्रवृत्ति के माध्यम से समाज में सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहायता प्रदान करता है। संस्थान ने अपने शैक्षणिक कौशल को प्रदर्शित करते हुए के लिए उच्च स्थान प्राप्त किया है। यह उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र सबसे तेजी से बढ़ते प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है जो कि वैश्विक-सांस्कृतिक वातावरण को बढ़ावा देता है तथा देश और दुनिया के सतत विकास में निरंतर योगदान दे रहा है।

विश्वविद्यालय का प्राकृतिक एवं संसाधनात्मक वातावरण गहन चिंतन, अनुसंधान और प्रयोग के माध्यम से नवीन विचारों और समाधानों को अंकुरित करने के लिए बुद्ध की भूमि यानी कपिलवस्तु में दिव्य शिक्षा के लिए सहायक है।

Vision Statement

Our vision is to be the global center for knowledge creation and dissemination through the scientific enquiry in all the spheres of human life based on the noble eightfold path and the principles of service to the humanity.

दृष्टि वक्तव्य

हमारी दृष्टि में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय को मानव जीवन के सभी क्षेत्रों में वैज्ञानिक शोध एवं प्रक्रिया के माध्यम से ज्ञान का सृजन और प्रसार के हेतु एक वैश्विक केंद्र बनाना है, जो कि महान अष्टांग मार्ग और मानवता की सेवा के सिद्धांतों पर आधारित है।

Mission Statement

Our mission is to achieve the global standards of academics steered through contemporary research blended with traditional knowledge and service to humanity by creating suitable systems, mechanism and infrastructures. The mission of the University entails:

- To achieve excellence and to keep pace with the international standards by strengthening teaching and research environment.
- To focus on developing the academic rigor blended with co-curricular activities that develops entrepreneurial and employable citizens for the society
- To develop the pool of talent equipped with professional skills, strong ethical and moral values and leadership qualities which can help in contributing towards the development of the local, regional, national and global development.
- To design and implement the courses, suitable modern systems and mechanism that enables the skills, nationalism and value-based learning among the students of the University and its affiliated colleges.
- To create an environment that attracts the international talent and provide safe and suitable platform for cross-cultural learning of skills and values.
- To run centers of excellence that conduct research, training and capacity building in the area of religion, science, social theories, international issues and entrepreneurship.
- To create modern, sustainable, green and eco-friendly environment systems and infrastructure that supports academic environment and contemporary research.

विश्वविद्यालय का लक्ष्य

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय का लक्ष्य उपयुक्त प्रणालियों, प्रबंधतंत्र और बुनियादी ढांचे का निर्माण करके मानवता के लिए पारंपरिक ज्ञान और सेवा के साथ, समकालीन अनुसंधान के माध्यम से संचालित, शिक्षा के वैश्विक मानकों की प्राप्त करना है। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों में शामिल हैं

- शिक्षण और अनुसंधान के वातावरण को मजबूत करके उत्कृष्टता हासिल करना और अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बिठाना।
- पाठ्यचर्या एवं सम्बन्धित गतिविधियों से सज्जित ऐसी सुदृढ अकादमिक व्यवस्था को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना, जो कि समाज के लिए उद्यमशील और रोजगार योग्य नागरिकों को विकसित करे।
- ऐसे पेशेवर, कुशल, नैतिक मूल्यों और नेतृत्व गुणों से परिपूर्ण प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों/ शिक्षार्थियों का समुच्चय विकसित करना जो कि स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक विकास में योगदान देने में मदद कर सके।
- महाविद्यालयों और इसके संबद्ध कॉलेजों के छात्रों को कौशल, राष्ट्रीयता, जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रदान करने हेतु, पाठ्यक्रमों को डिजाइन और कार्यान्वित करना एवं इसके लिए उपयुक्त आधुनिक प्रणाली और प्रबंधतंत्र विकसित करना ।
- एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभाओं को आकर्षित करे और कार्यकौशल और मूल्यों के बहु-सांस्कृतिक एवं अंतर-सांस्कृतिक व्यवहार सीखने के लिए एक उपयुक्त और सुरक्षित मंच प्रदान कर सके।
- धर्म, विज्ञान, सामाजिक सिद्धांतों, अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों और उद्यमिता के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का संचालन करने वाले उत्कृष्टता केंद्र की संरचना एवं संचालन करना।
- आधुनिक, धारणीय, हरित और पर्यावरण परक प्रणालियों और बुनियादी ढांचे का निर्माण करना जो शैक्षणिक वातावरण और समकालीन अनुसंधान का समर्थन करता हो।

Core Values

The core values of the University are to develop and ARCH framework for academic, intellectual and holistic development of the students and serve the globe by following the eightfold path of righteousness. The noble eightfold path is divided in three themes Good Moral Conduct (Right Understanding, Right Thought and Right Speech), Mediation and Mental Development (Right Action, Right Livelihood and Right Effort) and Wisdom (Right Mindfulness and Right Concentration). The ARCH of the University embodies the:

Academic Excellence: The University follows the blend of excellence in academics across the disciplines that prepares the students for serving the society with the help of contemporary skills.

Research Excellence: With the focus on the local issues and global demand the University is committed for achieving its academic excellence with the development and delivery of the curricular based grounded and impactful research in the various disciplines.

Community Development: The academic and research excellence of the University is focused on the social, cultural, economic and spiritual development of the stakeholders and of the community at large.

Humanity: The University is committed to the service towards the humanity by following the eightfold path of righteousness in systems, planning and action that would contribute towards the social inclusiveness, mutual respect, sustainable practices and social as wells as national integration.

मूल सिद्धांत

विश्वविद्यालय का मूल सिद्धांत छात्रों के अकादमिक, बौद्धिक और समग्र विकास के लिए वृत्त-खंड (ARCH) ढांचे को विकसित करना और धार्मिकता के अष्टांग मार्ग का पालन करके विश्व की सेवा करना है। महान अष्टांग मार्ग तीन विषयों से बनते है: अच्छा नैतिक आचरण (सम्यक समझ, सही विचार और सही भाषा), मध्यस्थता और मानसिक विकास (सम्यक कार्य, सही आजीविका और सही प्रयास) और ज्ञान (सम्यक ध्यान और सही एकाग्रता)। विश्वविद्यालय के मूल सिद्धांत के वृत्त-खंड (ARCH) के चार भाग हैं:

अकादमिक (शैक्षणिक) उत्कृष्टता: विश्वविद्यालय समकालीन कौशल की मदद से छात्रों को समाज की सेवा करने के लिए तैयार करने वाले विषयों में शिक्षाविदों में उत्कृष्टता के मिश्रण का अनुसरण करता है।

रीसर्च (अनुसंधान) उत्कृष्टता: स्थानीय मुद्दों और वैश्विक मांग पर ध्यान देने के साथ विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में पाठ्यचर्या आधारित आधारभूत और प्रभावशाली शोध के विकास और वितरण के साथ अपनी अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कम्युनिटी (सामुदायिक) विकास: विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता बड़े पैमाने पर हितधारकों और समुदाय के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक विकास पर केंद्रित है।

ह्यूमैनिटी (मानवता): विश्वविद्यालय व्यवस्था, योजना और कारवाई में धार्मिकता के आठ गुना मार्ग का पालन करके मानवता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है जो सामाजिक समावेशिता, आपसी सम्मान, स्थायी प्रथाओं और सामाजिक के साथ-साथ राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान देगा।

University Governance Framework

Smt. Anandiben Patel
Hon'ble Governor of Uttar Pradesh
Chancellor

Prof. Hari Bahadur Srivastava
Vice- Chancellor

Executive Council
Academic Council
Examination Council
Finance Committee

- **Dr. Amrendra Kumar Singh** — I/c Controller of Examination
  - **Mr. Dina Nath Yadav** — Deputy Registrar (Exams)
    - **Mrs. Sheikh Anjum** — Assistant Registrar (Exams)
- **Dr. Sunita Tripathi** — I/c Librarian
- **Mr. Ajay Kumar Sonkar** — Finance Officer
- **Dr. Amrendra Kumar Singh** — Registrar
  - **Dr. Avinash Pratap Singh** — Information and Public Relations Officer
  - **Dr. Ravikant Shukla** — Estate Officer
  - **Mr. Dina Nath Yadav** — Deputy Registrar
    - **Mrs. Sheikh Anjum** — Assistant Registrar (Admin)
- **Prof. Deepak Babu** — Chief Proctor
- **Prof. Harish Kumar Sharma** — Dean of Students
- **Prof. Deepak Babu** — Coordinator IQAC
- **Siddharth Centre of Incubation**
- **Prof. Prakriti Rai** — Faculty of Sciences
  - **Dr. Kaushlendra Chaturvedi** — I/c HoD, Physics
  - **Dr. Kiran Gupta** — I/c HoD, Botany
  - **Dr. Ashish Srivastava** — I/c HoD, Zoology
  - **Dr. Kapil Gupta** — I/c HoD, Biotechnology
  - **Dr. Laxman Singh** — HoD, Chemistry
  - **Dr. Deepti Giri** — I/c HoD, Home Science
  - **Prof. Prakriti Rai** — HoD, Mathematics
- **Prof. Harish Kumar Sharma** — Dean, Faculty of Arts
  - **Prof. (Emiretus) Sushil Tiwari, OSD** — **International Buddhist Center** (Center of Excellence for Hindusim, Budhdhism and Jainism)
  - **Prof. Manju Dwivedi** — Pdt. Deendayal Upadhyay Shodh Chair
  - **Prof. Harish Kr. Sharma** — HoD, Hindi
  - **Dr. Hriday Kant Pandey** — i/c HoD, English
  - **Dr. Abha Dwivedi** — i/c HoD, Sanskrit
  - **Dr. Abdul Hafeez** — i/c HoD, Urdu
  - **Dr. Hahrendra Sharma** — I/c Hod, Psychology
  - **Dr. Avinash Pratap Singh** — I/c HoD, Political Science
  - **Dr. Sunita Tripathi** — HoD Public Administration
  - **Dr. Neeta Yadav** — HoD, Ancient History, Archaeology and Culture
  - **Dr. Sachchidanand Chaubey** — HoD, History
  - **Dr. Pragyesh Nath Tripathi** — I/c Hod, Economics
- **Prof. Deepak Babu** — Dean, Faculty of Commerce
  - **Prof. Deepak Babu** — HoD, Commerce
  - **Dr. Akhilesh Dixit** — HoD, BBA
  - **Prof. Saurabh** — I/c HoD, MBA

विश्वविद्यालय प्रशासनिक संरचना

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
कुलाधिपति

Executive Council
Academic Council
Examination Council
Finance Committee

प्रो॰ हरी बहादुर श्रीवास्तव
कुलपति

डॉ॰ अमरेन्द्र कुमार सिंह
प्रभारी परीक्षा नियंत्रक

श्री दीनानाथ यादव
उप-कुलसचिव

श्रीमती शेख अंजुम
सहायक कुलसचिव (परीक्षा)

डॉ.सुनीता त्रिपाठी
प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री अजय कुमार सोनकर
वित्त अधिकारी

डॉ॰ अमरेन्द्र कुमार सिंह
कुलसचिव

डॉ॰ अविनाश प्रताप सिंह
सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी

डॉ॰ रविकांत शुक्ला
संपत्ति अधिकारी

श्री दीनानाथ यादव
उप-कुलसचिव

श्रीमती शेख अंजुम
सहायक कुलसचिव (प्रशासन))

प्रो॰ दीपक बाबू
कुलानुशासक

प्रो॰ हरीश कुमार शर्मा
संकायाध्यक्ष- छात्र कल्याण

प्रो॰ दीपक बाबू
समन्वयक
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल

सिद्धार्थ ऊष्मायन केन्द्र

प्रो॰ प्रकृति राय
विज्ञान संकाय

डॉ॰ कौशलेन्द्र चतुर्वेदी
प्रभारी विभागाध्यक्ष
भौतिक विज्ञान

डॉ॰ किरण गुप्ता
प्रभारी विभागाध्यक्ष
वनस्पति विज्ञान

डॉ॰ आशीष श्रीवास्तव
प्रभारी विभागाध्यक्ष
जीव विज्ञान

डॉ॰ कपिल गुप्ता
प्रभारी विभागाध्यक्ष
जैव प्रौद्योगिकी

डॉ॰ लक्ष्मण सिंह
विभागाध्यक्ष
रसायन विज्ञान

डॉ॰ दीप्ति गिरी
प्रभारी विभागाध्यक्ष
गृह विज्ञान

प्रो॰ प्रकृति राय
विभागाध्यक्ष गणित

प्रो॰ हरीश कुमार शर्मा
संकायाध्यक्ष-कला संकाय

प्रो॰ सुशील तिवारी (प्रो॰ एमेरिटस) (विशेष कार्य अधिकारी)
अंतरराष्ट्रीय बौद्ध केन्द्र
(हिन्दू,बौद्ध और जैन धर्म के अध्ययन हेतु उत्कृष्टता केंद्र)

प्रो॰ मंजु द्विवेदी
प॰ दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ शोध चेयर

प्रो॰ हरीश कुमार शर्मा
विभागाध्यक्ष, हिन्दी

डॉ॰ हृदयकांत पाण्डेय
प्रभारी विभागाध्यक्ष
अंग्रेजी

डॉ॰ आभा द्विवेदी
प्रभारी विभागाध्यक्ष
संस्कृत

डॉ॰ अब्दुल हफीज़
प्रभारी विभागाध्यक्ष
उर्दू

डॉ॰ हरेन्द्र शर्मा
प्रभारी विभागाध्यक्ष
मनोविज्ञान

डॉ॰ अविनाश प्रताप सिंह
प्रभारी विभागाध्यक्ष
राजनीति शास्त्र

डॉ॰ सुनीता त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष, लोक प्रशासन

डॉ॰ नीता यादव
विभागाध्यक्ष, प्राचीन
इतिहास, पुरातत्व एवं
संस्कृति

डॉ॰ सच्चिदानन्द चौबे
विभागाध्यक्ष, इतिहास

डॉ॰ प्रज्ञेश नाथ त्रिपाठी
प्रभारी विभागाध्यक्ष
अर्थशास्त्र

प्रो॰ दीपक बाबू
संकायाध्यक्ष-वाणिज्य संकाय

प्रो॰ दीपक बाबू
विभागाध्यक्ष, वाणिज्य

डॉ॰ अखिलेश दीक्षित
विभागाध्यक्ष
बी॰ बी॰ ए॰

प्रो॰ सौरभ
प्रभारी विभागाध्यक्ष
एम॰ बी॰ ए

General Information and Instructions

सामान्य सूचना एवं निर्देश

Academic Session 2023-24

शैक्षणिक सत्र 2023-24

University offers various courses under the faculties of Science, Commerce & Management and Arts in the University Campus and its affiliated colleges. The courses under the faculties of Agriculture, Education and Physical Education are in the Affiliated Colleges as mentioned in the brochure.

विश्वविद्यालय परिसर में विज्ञान, वाणिज्य एवं प्रबंधन और कला संकाय के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं और विवरणिका में वर्णित संबद्ध महाविद्यालयों में कृषि शिक्षा और शारीरिक शिक्षा के पाठ्यक्रम भी संचालित हो रहे हैं।

General Instructions

The admission process for this Academic session will be through online mode, the application/registration fees for which is as follows. (For University campus as well as Affiliated colleges, as mentioned in the brochure)

सामान्य निर्देश

शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से होगी जिसके लिए आवेदन/ पंजीकरण शुल्क इस प्रकार है- (विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ विवरणिका में उल्लेखित संबद्ध महाविद्यालयों के लिए

Online Application/Registration Fees

(For all the courses except M.Ed. and B.P.Ed.)

ऑनलाइन आवेदन/पंजीकरण शुल्क (एम.एड. और बी.पी.एड. को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों के लिए।)

A	General/Other Backward Class सामान्य/अन्य पिछड़ा वर्ग	₹ 750.00 per application ₹ ७५०.०० प्रति आवेदन
B	Scheduled Caste/ scheduled Tribe अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति	₹ 400.00 per application ₹ ४००.०० प्रति आवेदन
C	Mode of Admission प्रवेश का तरीका	Entrance Test/ Direct Admission by Counselling प्रवेश परीक्षा/काउंसलिंग द्वारा सीधे प्रवेश
D	Online Application Start date	30.05.2023
E	Last Date of Submission	30.06.2023

Note: Appearing students of class 12th and graduation are also eligible to apply respectively for UG & PG courses but they have to submit the required mark sheet immediately after the declaration of the results/ or at the time of admission.

नोट- इन्टरमीडिएट और स्नातक कक्षाओं के अन्तिम वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित छात्र भी क्रमशः स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं, लेकिन उन्हें अपने परीक्षा परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद अथवा प्रवेश के समय अपेक्षित अंकतालिका अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी।

General Rules for admission in various courses
विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य नियम

1.Weightage for admissions will be given in all faculties as under:
सभी संकायों में निम्नानुसार अधिभार दिया जाएगा

a.In the post graduate course 5 percent to the candidates of Siddharth University Campus.
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिसर के अभ्यर्थियों को ५ प्रतिशत।

b. 20 percent for female candidates.
महिला अभ्यर्थी के लिए 20 प्रतिशत।

c.2 percent for students with 'B' or 'C' certificate in NCC.
एन0सी0सी0 में 'बी' या 'सी' सर्टिफिकेट वाले छात्रों के लिए 2 प्रतिशत।

d. 2 percent to NSS candidates who served for 240 hrs. and took part in at least one special camp under NSS. The claim will be provided only after the counter signature of Honorable Vice Chancellor.
राष्ट्रीय सेवा योजना के अभ्यर्थियो को 2 प्रतिशत जिन्होंने 240 घटे सेवा की हो और एन0एस0एस0 के तहत कम से कम एक विशेष शिविर में भाग लिया हो। माननीय कुलपति के प्रतिहस्ताक्षर के बाद ही दावा उपलब्ध कराया जा सकेगा।

e.2 percent for Rovers and Rangers.
रोवर्स और रेंजर्स के लिए 2 प्रतिशत।

f. The wards of teaching/ non-teaching employees of University campus or Affiliated colleges /institutions of Siddharth University will be provided the weightage of 10 percent.
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों/संस्थानों के शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के पाल्यों को 10 प्रतिशत वेटेज प्रदान किया जाएगा।

Note: In any circumstances the weightage marks shall not be more than 10 percent. Two or more than two criteria will not be clubbed.
नोट- किसी भी परिस्थिति में भारांक (वेटेज अंक) 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। दो या दो से अधिक मानकों को नहीं जोड़ा जाएगा।

2. There is a sports quota for the candidates of national/ state level winners in each faculty. To avail this facility a candidate has to get the permission of honorable Vice Chancellor. A candidate has to specify in the column provided for the same at the time of filling of forms failing which the claim will not be given. A candidate claiming for sports quota has to provide a certificate issued by a competent authority

प्रत्येक संकाय में राष्ट्रीय/राज्य स्तर के विजेताओं के अभ्यर्थियों के लिए एक खेल कोटा है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए अभ्यर्थी को माननीय कुलपति की अनुमति लेनी होगी। एक उम्मीदवार को फॉर्म भरने के समय इसके लिए प्रदान किए गए कॉलम में उल्लेख करना होगा, ऐसा न करने पर दावा मान्य नहीं होगा । आरक्षण कोटे के लिए दावा करने वाले उम्मीदवार को सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र उपलब्ध करना होगा।

3. Gap Certificate: If there is gap in taking admission after last degree, then an affidavit (certified by the Notary on Rs. 10.00 Stamp paper) has to be submitted at the time of admission.
अन्तराल प्रमाण पत्र : अगर अंतिम डिग्री के बाद एडमिशन लेने में गैप है, तो एडमिशन के समय एक हलफनामा (10.00 रुपये के स्टांप पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित) जमा करना होगा।

4. Reservation- Reservation will be subject to government orders issued from time to time
आरक्षण- आरक्षण समय-समय पर जारी शासन के आदेशों के अधीन होगा।

Vertical Reservation (Only for Domicile of Uttar Pradesh)

a. Scheduled Caste	21 percent
b. Scheduled Tribe	02 percent
c. Other Backward caste(non Creamy layer)	27 percent
d. Economically weaker Section	10 percent

For EWS Reservation a candidate has to present a certificate of Domicile issued by (a competent authority of his own district such as District Magistrate/ Upper District magistrate/ magistrate/ Tehsildar, failing which the reservation will not be provided) For OBC Reservation a recent certificate has to be provided by the candidate mentioning that the candidate does not come under the creamy layer is must.

उर्ध्व आरक्षण (केवल उत्तर प्रदेश के अधिवास के लिए)

a. अनुसूचित जाति	21 प्रतिशत
b. अनुसूचित जनजाति	02 प्रतिशत
c. अन्य पिछड़ी जाति (नॉन क्रीमी लेयर)	27 प्रतिशत
d. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	10 प्रतिशत

(ईडब्ल्यूएस आरक्षण के लिए एक उम्मीदवार को अपने ही जिले के सक्षम अधिकारी जैसे जिला मजिस्ट्रेट/अपर जिला मजिस्ट्रेट/मजिस्ट्रेट/तहसीलदार द्वारा जारी अधिवास का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, ऐसा न करने पर आरक्षण प्रदान नहीं किया जाएगा।) ओबीसी आरक्षण के लिए उम्मीदवार द्वारा एक नवीनतम जारी किया हुआ प्रमाण पत्र जमा करना होगा जिसमें उल्लेख किया गया हो कि उम्मीदवार क्रीमी लेयर के अंतर्गत नहीं आता है।

A. Horizontal Reservation

Physically Handicapped	**4 percent**
Dependents of Freedom Fighters	**2 percent**
Ex servicemen / Martyrs of War, handicapped defense personnel	**2 percent**

B. क्षैतिज आरक्षण

शारीरिक रूप से दिव्यांग	**4 प्रतिशत**
स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रित	**2 प्रतिशत**
भूतपूर्व सैनिक युद्ध के शहीद दिव्यांग रक्षा कर्मी	**2 प्रतिशत**

On the basis of G.O number personnel section 2 no- 3/2019/-2/19 TC- II dated 14 March 2019, reservation for Economically Weaker Section (EWS) is applicable for the candidates who are domicile of Uttar Pradesh Only.

शासनादेश क्रमांक कार्मिक धारा 2 क्रमांक- 3/2019/-2/19 टीसी- II दिनांक 14 मार्च 2019 के आधार पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण केवल उत्तर प्रदेश के मूल निवासी उम्मीदवारों के लिए लागू है।

C. Supernumerary Reservation/ Quota
अतिरिक्त आरक्षण/ कोटा:

1. The reservation for the EWS section shall be applied on the supernumerary basis of the total numbers of the seats sanctioned in undergraduate/ post graduate courses
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण स्नातक / स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में स्वीकृत सीटों की कुल संख्या के आधार पर अतिरिक्त रूप से लागू किया जाएगा।

2. The total number of reserved seats for admissions in the undergraduate courses for the dependents (Spouse/ son/daughter) of the working teachers/ non-teaching staff of the University is 10 percent. This reservation shall be provided strictly on the basis of merit in written examination or the merit list prepared by the admission committee.
विश्वविद्यालय के कार्यरत शिक्षकों/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के आश्रितों (पति/पत्नी/पुत्र/पुत्री) के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आरक्षित सीटों की कुल संख्या १० प्रतिशत है। यह आरक्षण सख्ती से लिखित परीक्षा में योग्यता या प्रवेश समिति द्वारा तैयार योग्यता सूची के आधार पर प्रदान किया जाएगा।

3. The total number of reserved seats for admission in Post Graduate courses for the dependent of the working teachers/ non-teaching staff is 5 percent of the sanctioned seats.
कार्यरत शिक्षकों / गैर-शिक्षण कर्मचारियों के आश्रितों के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आरक्षित सीटों की कुल संख्या स्वीकृत सीटों का ५ प्रतिशत है।

4. Ten percent of the sanctioned seats for the programs at the post-graduate level in the University campus shall be on paid basis @of an additional development fee of ₹5000/- per semester, on supernumerary basis. The candidates seeking admissions on payment basis shall be offered admission based on their application and common merit list published by the respective admission committees.
विश्वविद्यालय परिसर में स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रमों के लिए स्वीकृत सीटों का दस प्रतिशत अधिसंख्य आधार पर ₹ 5,000/- प्रति सेमेस्टर के अतिरिक्त विकास शुल्क के भुगतान के साथ किया जाएगा। भुगतान के आधार पर प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को उनके आवेदन और संबंधित प्रवेश समितियों द्वारा प्रकाशित सामान्य मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

- **It must be noted that a candidate will be considered for admission to the courses as per his/her merit only if proper application is submitted within the application deadline. As per rules, admission will not be given without the application form.**
  यह सनद रहे कि किसी भी उम्मीदवार को आवेदन की समय सीमा के भीतर पाठ्यक्रमों में उचित आवेदन जमा किए जाने पर ही योग्यता अनुसार उसकी प्रवेश पात्रता हेतु विचार किया जायेगा। नियमानुसार आवेदन पत्र के बिना प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

अस्वीकरण: सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की अद्यतन पात्रता मानदंड, सीटों की संख्या और शुल्क संरचना को शामिल करने के लिए सभी सावधानियां बरती गई हैं। किसी भी विसंगति के मामले में, विश्वविद्यालय के आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए पात्रता मानदंड, सीटों की संख्या और शुल्क की राशि अंतिम होगी। संभावित उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से घोषणाओं, सूचनाओं और अपडेट के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखते रहें, क्योंकि किसी भी संभावित उम्मीदवार को कोई अलग से व्यक्तिगत जानकारी नहीं भेजी जाएगी।

Notice - Competent authorities for issuing the certificates.

Certificate	Competent Authority
Caste certificate (SC/ST/OBC)	District Magistrate/ Upper District Magistrate/ Tahsildar/ Magistrate
Physically Challenged Certificate	Chief Medical Officer
Dependents of Freedom Fighters Certificate	District Magistrate
Defence Certificate (Ex Servicemen/ Martyrs of War, Soldiers handicapped in War and their dependents)	District Soldier welfare Officer
Servicemen and their dependents	Commanding Officer
Dependents of teaching/ Non-teaching staff of the University	Registrar of University
Dependents of the affiliated Government aided degree college teachers and the non-teaching staff	Counter signed by the Principal of the concerned college and regional Higher education Officer
Kashmiri migrants and Martyr of Kargil	District Magistrate
Economically Weaker Section EWS	District Magistrate/ Additional District Magistrate/ Pargana Magistrate/ tahsildar

सूचना - सक्षम प्राधिकारी प्रमाण पत्र जारी करने के लिए।

प्रमाणपत्र	सक्षम प्राधिकारी
जाति प्रमाण पत्र (एससी/एसटी/ओबीसी)	जिला मजिस्ट्रेट/उच्च जिला मजिस्ट्रेट/तहसीलदार/मजिस्ट्रेट
शारीरिक रूप से विकलांग प्रमाण पत्र	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
स्वतंत्रता सेनानी प्रमाण पत्र के आश्रित प्रमाणपत्र	जिलाधिकारी
रक्षा प्रमाण पत्र (भूतपूर्व सैनिक/युद्ध के शहीद, युद्ध में दिव्यांग सैनिक और उनके आश्रित)	जिला सैनिक कल्याण अधिकारी
सैनिक और उनके आश्रित	कमांडिंग ऑफिसर
विश्वविद्यालय के टीचिंग/नॉन टीचिंग स्टाफ के आश्रित	विश्वविद्यालय के कुलसचिव
संबद्ध अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षणेतर कर्मचारियों के आश्रित	संबंधित कॉलेज के प्राचार्य और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित
कश्मीरी प्रवासी और कारगिल के शहीद	जिलाधिकारी
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस)	जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/मजिस्ट्रेट/

Please see the University website (www.suksn.edu.in) for updates

Disclaimer: All precautions have been taken to include the updated eligibility criterion, number of seats and fees structure of the Siddharth University, Kapilvastu. In case of any discrepancy, the eligibility criterion, number of seats and amount of fees for each course entered in the official records of the University will be final. The prospective candidates are advised to keep visiting the University website regularly for announcements, notices and updates, because no separate individual information shall be sent to any prospective candidate.

General Instructions for admissions in various courses
विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य निर्देश

- **The entrance examination will be conducted if the particular course/ program recieves more than two and a half times applications for the required seats. The admission process for MBA program has been mentioned separately.**

  सभी पाठ्यक्रमों के लिए पर प्रवेश के लिए निर्धारित सीटों के ढाई गुना आवेदन प्राप्त होने पर ही प्रवेश परीक्षा करायी जाएगी । एम् बी ए पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया विवरणिका में अलग से दी गयी है ।

- **Applicants who qualify the entrance examination and fulfill minimum required eligibility criteria will be given provisional admission according to their ranks in the merit list. The list will be pasted on the notice board of the concerned faculty as well as on the University website.**

  प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले और न्यूनतम आवश्यक पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले आवेदकों को मेरिट सूची में उनके रैंक के अनुसार अंतरिम प्रवेश दिया जाएगा। सूची संबंधित संकाय के नोटिस बोर्ड पर एवं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करायी जाएगी।

Only one application for one subject shall be accepted for admission in the courses at graduation/ post graduation level. The application shall not be transferable. Candidates desirous of applying in two or more courses shall have to apply seperately in each course.

महत्वपूर्ण: स्नातक/ स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक विषय के लिए केवल एक ही आवेदन स्वीकार किया जाएगा। आवेदन हस्तांतरणीय नहीं होगा। दो या दो से अधिक पाठ्यक्रमों में आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को प्रत्येक पाठ्यक्रम में अलग-अलग आवेदन करना होगा।

- **The candidate will appear before the admission committee along with their original certificates on the date provided to them, in the University campus. A migration certificate from the last appeared institution is also required along with a character certificate.**
  अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ प्रवेश समिति के समक्ष विश्वविद्यालय परिसर में उन्हें प्रदान की गई तिथि पर उपस्थित होंगे। चरित्र प्रमाण पत्र के साथ - साथ अंतिम बार उपस्थित संस्थान से प्रवासन ;माइग्रेशनद्ध प्रमाणपत्र भी आवश्यक है।

- **After getting admission a candidate has to deposit fees in The State Bank of India, Siddharth University branch and deposit the department copy with the head of the Department with in three days of submission of their fees and keep student copy safe with him for future correspondence.**
  प्रवेश लेने के बाद उम्मीदवार को भारतीय स्टेट बैंक की सिद्धार्थ विश्वविद्यालय शाखा में शुल्क जमा करना होगा और अपनी फीस जमा करने के तीन दिनों के भीतर विभाग के प्रमुख के पास हेतु शुल्क रसीद की प्रति जमा करनी होगी और भविष्य में पत्राचार के लिए छात्र की प्रति अपने पास सुरक्षित रखनी होगी।

- **An applicant will be considered a regular student of the University from the time of his/her registration in the concerned department after the payment of the required fees.**
  एक आवेदक को आवश्यक शुल्क के भुगतान के बाद संबंधित विभाग में उसके पंजीकरण के समय से विश्वविद्यालय का नियमित छात्र माना जाएगा।

- **The fee includes a component of ₹ 150 as security amount. In case of the security amount is not claimed after the award of degree, the same shall be credited into the alumni fund.**
  शुल्क में एक भाग ₹१५० सुरक्षा राशि के रूप में शामिल है। यदि डिग्री प्राप्त करने के बाद सुरक्षा राशि का दावा नहीं किया जाता है, तो यह राशि पूर्व छात्र संघ की निधि में जमा कर लिया जाएगा।।

- **The University reserves the right to cancel or deny the admission of any applicant without citing the reason.**
  विश्वविद्यालय बिना कारण बताए किसी भी आवेदक के प्रवेश को रद्द करने या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

- **All the documents related to any entrance examination will be preserved for a period of six months from the date of entrance examination.**
  किसी भी प्रवेश परीक्षा से संबंधित सभी दस्तावेजों को प्रवेश परीक्षा की तारीख से छह महीने की अवधि के लिए सुरक्षित रखा जाएगा।

कृपया नवीनतम जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.suksn.edu.in) देखते रहें
अस्वीकरण: सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की अद्यतन पात्रता मानदंड, सीटों की संख्या और शुल्क संरचना को शामिल करने के लिए सभी सावधानियां बरती गई हैं। किसी भी विसंगति के मामले में, विश्वविद्यालय के आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए पात्रता मानदंड, सीटों की संख्या और शुल्क की राशि अंतिम होगी। संभावित उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से घोषणाओं, सूचनाओं और अपडेट के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखते रहें, क्योंकि किसी भी संभावित उम्मीदवार को कोई अलग से व्यक्तिगत जानकारी नहीं भेजी जाएगी।

Programmes offered in University Campus

विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कार्यक्रम

Faculty of Arts

The Faculty of Arts is housed in a three-storied state of art and grand building located within the Siddharth University campus. Faculty of Arts started in the session 2018-19 with the commencement of postgraduate programs under Hindi and Economics departments. The objective of the faculty is to prepare students as skilled, aware, value-oriented, service-oriented, employable and citizens with highly moral character, in line with the National Education Policy-2020, by teaching various subjects related to humanities.

The faculty provides degrees in - Hindi, Economics, Ancient History, Public Administration, Political Science, History, English, Sanskrit, Sociology, and Psychology and Urdu. In all these departments, along with conducting post-graduate and graduate classes (except Urdu), Ph.D. program is also conducted. There is a team of 26 well qualified and experienced teachers to teach all the courses designed and implemented according to the selection-based credit system made under the National Education Policy-2020, which is conscious and alert for the continuous upgradation and multifaceted development of the students and researchers.

Admission of students is provided on the basis of merit. Counseling is provided to the students from time to time, so that they can get value based education by keeping their goal and vision in the right direction. The Faculty of Arts has spacious and well-equipped teaching rooms with CCTV cameras, computer labs, smart classrooms, libraries, reading rooms, separate arrangements for students. Entire campus has Wi-Fi internet facility. From time to time, regular literary, cultural and sports-related competitions and other important programs are organized for the students, through which they get an opportunity for to develop their personality.

कला संकाय

कला संकाय सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित एक तीन मंजिला भव्य भवन में स्थापित है। सत्र 2018-19 से हिंदी एवं अर्थशास्त्र विभागों में परास्नातक कक्षाओं के संचालन के साथ कला संकाय का शुभारंभ हुआ। संकाय का उद्देश्य मानविकी से संबंधित विभिन्न विषयों की शिक्षा देकर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उत्कट देशानुराग से युक्त एक कुशल, जागरूक, मूल्यनिष्ठ, सेवाभावी, रोजगार-क्षम और चरित्र-संपन्न नागरिक के रूप में तैयार करना है।

संकाय में स्वीकृत 12 विभागों- हिंदी, अर्थशास्त्र, प्राचीन इतिहास, लोक प्रशासन, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, अंग्रेजी, संस्कृत, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, उर्दू एवं भूगोल में से मात्र भूगोल को छोड़कर अन्य सभी विषयों में अध्ययन-अध्यापन तथा शोध-कार्य होता है। इन सभी विभागों में स्नातकोत्तर एवं स्नातक कक्षाओं (उर्दू छोड़कर) के संचालन के साथ-साथ पीएच.डी. स्तर पर शोध कार्य भी कराया जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत बने चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुसार निर्मित और क्रियान्वित सभी पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए 26 सुयोग्य और अनुभवी शिक्षकों की एक टीम है जो कि विद्यार्थियों-शोधार्थियों के सतत उन्नयन और बहुमुखी विकास के लिए सजग-सचेष्ट है।

विद्यार्थियों का प्रवेश मेरिट के आधार पर होता है। समय समय पर विद्यार्थियों की काउंसलिंग कराई जाती है, जिससे कि वे अपनी दिशा और दृष्टि ठीक रखकर लक्ष्योन्मुखी शिक्षा प्राप्त कर सकें। कला संकाय में सीसीटीवी कैमरों से युक्त विशाल और सुसज्जित शिक्षण कक्ष बने हुए हैं, कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित है, स्मार्ट क्लासरूम हैं, पुस्तकालय है, वाचनालय है, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग व्यवस्था है तथा पूरा परिसर वाईफाई इंटरनेट की सुविधा से युक्त है। समय-समय पर विद्यार्थियों के लिए नियमित साहित्यिक, सांस्कृतिक तथा क्रीड़ा-सम्बन्धी प्रतियोगिताओं तथा अन्य महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जिससे उनको व्यक्तित्व-विकास का अवसर मिलता है।

Under Graduate Courses
स्नातक पाठ्यक्रम

Admission Procedure Direct Admission through counselling	Number of seats 250
प्रवेश प्रक्रिया काउन्सिलिंग के माध्यम से सीधे प्रवेश	सीटों की संख्या 250

Fees / semester
शुल्क प्रति सेमेस्टर

प्रथम सत्र: ₹२,४३३.०० I Semester: ₹ 2,433.00	चतुर्थ सत्र: ₹१,१५०.०० IV Semester: ₹ 1,150.00
द्वितीय सत्र : ₹ १,१५०.०० II Semester: ₹ 1,150.00	पंचम सत्र : ₹ २,६३३.०० V Semester: ₹ 2,633.00
तृतीय सत्र : ₹२,१३३.०० III Semester: ₹2,133.00	छठा सत्र : ₹१,१५०.०० VI Semester: ₹1,150.00

विषयों का चुनाव: बी. ए. में प्रवेश पाने के लिए अभ्यर्थी को सर्वप्रथम नीचे दी गयी तालिका के अनुसार समूह क अथवा समूह ख में से कोई दो मुख्य विषय चुनने होंगे। तत्पश्चात कोई एक और मुख्य विषय चुनना होगा। तीसरे विषय का चयन अभ्यर्थी दोनों तालिकाओं में दिये गए विषयों में से किसी से भी कर सकता है, परंतु उसे ध्यान में रखना होगा कि वह आगे दिये गए जोड़े के अनुसार विषय न ले – हिन्दी-मनोविज्ञान अथवा संस्कृत-अर्थशास्त्र या अंग्रेज़ी-समाजशास्त्र या प्राचीन इतिहास, पुरातत्व और संस्कृति-इतिहास अथवा लोक प्रशासन-राजनीतिशास्त्र।

स्पष्टीकरण : उदाहरण के लिए यदि किसी अभ्यर्थी ने प्रथम दो मुख्य विषय हिन्दी और संस्कृत चुने हैं तो वह तीसरा मुख्य विषय मनोविज्ञान और अर्थशास्त्र छोडकर चुनेगा। इसी तरह यदि उसने पहले दो मुख्य विषय समाजशास्त्र और लोक प्रशासन चुने हैं तो वह तीसरा विषय अंग्रेजी और राजनीति शास्त्र को छोडकर शेष विषयों में से कोई भी चुन सकता है।

इस तरह एक अभ्यर्थी तीन मुख्य विषय लेगा।

तीन मुख्य विषयों के अतिरिक्त अभ्यर्थी को समूह ग में दी गयी सूची में से एक गौण (माइनर) विषय का चयन करना होगा। यह विषय मुख्य विषयों के अतिरिक्त होगा। इस विषय का अध्ययन विद्यार्थियों को मात्र प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर में ही करना होगा। गौण विषय का चयन करते समय अभ्यर्थी को यह भी ध्यान देना पड़ेगा कि यदि उसने अपने तीनों मुख्य विषयों में से कोई भाषा का विषय अर्थात हिन्दी, अंग्रेज़ी, संस्कृत नहीं लिया है तो उसे इनमें से कोई एक विषय लेना आवश्यक होगा। {तीसरा मुख्य विषय अथवा गौण विषय कला संकाय के अतिरिक्त विश्वविद्यालय में संचालित किसी अन्य संकाय (जैसे वाणिज्य या विज्ञान) से भी लिया जा सकता है, बशर्ते कि संबन्धित संकाय में उस विषय के अध्ययन की व्यवस्था हो।}

उपर्युक्त तीन मुख्य तथा एक गौण विषय के अलावा अभ्यर्थी को प्रत्येक सेमेस्टर में सहपाठ्यचर्या से संबन्धित अनिवार्य पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा। साथ ही समूह घ में दी गयी तालिका में से कोई एक कौशल विकासपरक पाठ्यक्रम भी उसे लेना होगा, जिसका अध्ययन प्रथम से चतुर्थ सेमेस्टर तक अर्थात बी. ए. के प्रथम दो वर्षों तक ही करना होगा।

Choice of subjects: To get admission in B. A., the candidate has to first choose any two main subjects from Group A or Group B as per the table given below. After that one more main subject has to be chosen. The candidate can choose the third subject from any of the subjects given in both the tables, but he has to keep in mind that he should not opt for the subject according to the following pair – Hindi-Psychology or Sanskrit-Economics or English-Sociology or Ancient History, Archeology and Culture-History or Public Administration-Political Science.

Explanation: For example, if a candidate has selected Hindi and Sanskrit as the first two main subjects, then he will choose the third main subject leaving Psychology and Economics. Similarly, if he has chosen Sociology and Public Administration as the first two main subjects, then he can choose any of the remaining subjects except English and Political Science as the third subject.

Thus a candidate will take three main subjects.

In addition to the three main subjects, the candidate will have to choose one minor subject from the list given in Group C. This subject will be in addition to the main subjects. Students will have to study this subject only in the first and third semesters. While selecting the subsidiary subject, the candidate will also have to note that if he has not taken any of the three main subjects i.e. Hindi, English, Sanskrit, then he will be required to take either one of these subjects. {Third main subject or subsidiary subject can also be taken from any other faculty (such as Commerce or Science) operating in the university apart from the Faculty of Arts, provided there is a provision for study of that subject in the concerned faculty.}

Apart from the above mentioned three main and one subsidiary subject, the candidate will have to study compulsory courses related to co-curricular in every semester. Along with this, he will also have to take any one skill development course from the table given in Group D, which will be studied from 1st to 4th semester i.e. for the first two years only during B. A. only.

Co- Curricular Compulsory Paper सह पाठ्यचर्या अनिवार्य पेपर	Group A Subjects समूह अ विषय	Group B Subjects समूह बी विषय	Group C Any one paper (Minor) समूह सी कोई एक पेपर	Group D Any one Skill Development course ग्रुप डी कोई एक कौशल विकास पाठ्यक्रम
One paper in each semester प्रत्येक सेमेस्टर में एक पेपर	Hindi हिन्दी	Economics अर्थशास्त्र	Ancient History Archaeology & Culture प्राचीन इतिहास पुराततव एवं संस्कृति / Economics अर्थशास्त्र / English अंग्रेज़ी / Hindi हिन्दी / History इतिहास / Political Science राजनीति विज्ञान / Psychology मनोविज्ञान / Public Administration लोक प्रशासन / Sanskrit संस्कृत / Sociology समाज शास्त्र	Computer Skill कंप्यूटर कौशल
	English अंग्रेज़ी	Ancient History Archaeology & Culture प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति		English Communication अंग्रेजी संचार
	Sanskrit संस्कृत	Public Administration लोक प्रशासन		Tailoring and Embroidery सिलाई और कढ़ाई
		History इतिहास		Drawing and Painting चित्रांकन और रंगाई
		Political Science राजनीति विज्ञान		Music संगीत
		Sociology समाजशास्त्र		
		Psychology मनोविज्ञान		

Post Graduate Courses
परास्नातक पाठ्यक्रम

एम. ए. में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी को अपनी रुचि के अनुसार तालिका में दिये गए 11 विषयों में से किसी एक विषय का चयन करना होगा। यह उसके द्वारा लिया गया मुख्य विषय कहलाएगा। मुख्य विषय के अतिरिक्त उसे एक गौण (माइनर) विषय भी इन्हीं विषयों में से लेना होगा, जिसका अध्ययन मात्र एक सेमेस्टर (प्रथम) तक ही उसे करना होगा। अभ्यर्थी गौण विषय का चयन करते समय इस बात का ध्यान रखेगा कि वह उसके द्वारा चयनित मुख्य विषय से अलग हो। गौण विषय तालिका में दिये गए विषयों के साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में संचालित किसी अन्य संकाय/विभाग से भी लिया जा सकता है।

एम. ए. में प्रवेश के लिए निर्धारित योग्यता किसी भी विषय में स्नातक होना है। यदि अभ्यर्थी उसी विषय में एम. ए. में प्रवेश के लिए आवेदन करता है जिसमें वह स्नातक उत्तीर्ण है, तो उसके लिए न्यूनतम उत्तीर्णता प्रतिशत 40% निर्धारित है। परंतु यदि वह जिस विषय में आवेदन कर रहा है उसमें स्नातक नहीं है, अन्य किसी विषय में स्नातक है तो उसे कम से कम 50% अंकों के साथ स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने की स्थिति में ही प्रवेश मिलेगा। यह नियम लोक प्रशासन को छोड़कर अन्य विषयों पर लागू होगा। लोक प्रशासन में न्यूनतम उत्तीर्णता प्रतिशत 40% ही रहेगा। (ध्यान रहे कि यह निर्धारित न्यूनतम योग्यता है। प्रवेश या तो मेरिट या अभ्यर्थियों की संख्या बहुत अधिक हो जाने की स्थिति में प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा)

For admission in M.A., the candidate has to choose any one subject out of the 11 subjects given in the table according to his/her interest. This will be called the main subject taken by him. In addition to the main subject, he will also have to take a minor subject from these subjects, which he will have to study only for one semester (first). While selecting the subsidiary subject, the candidate shall keep in mind that it should be different from the main subject selected by him. Along with the subjects given in the table, subsidiary subjects can also be taken from any other faculty/department running in the University campus.

M.A. The prescribed qualification for admission is graduation in any discipline. If the candidate is pursuing M.A. in the same subject. If a student applies for admission to a university in which he has passed graduation, the minimum pass percentage prescribed for him is 40%. But if he is not a graduate in the subject for which he is applying, he is a graduate in any other subject, then he will get admission only if he passes the graduation examination with at least 50% marks. This rule will apply to subjects other than public administration. The minimum pass percentage in Public Administration will remain 40%. (Note that this is the prescribed minimum qualification. Admission will be either on the basis of merit or on the basis of entrance test in case of large number of candidates)

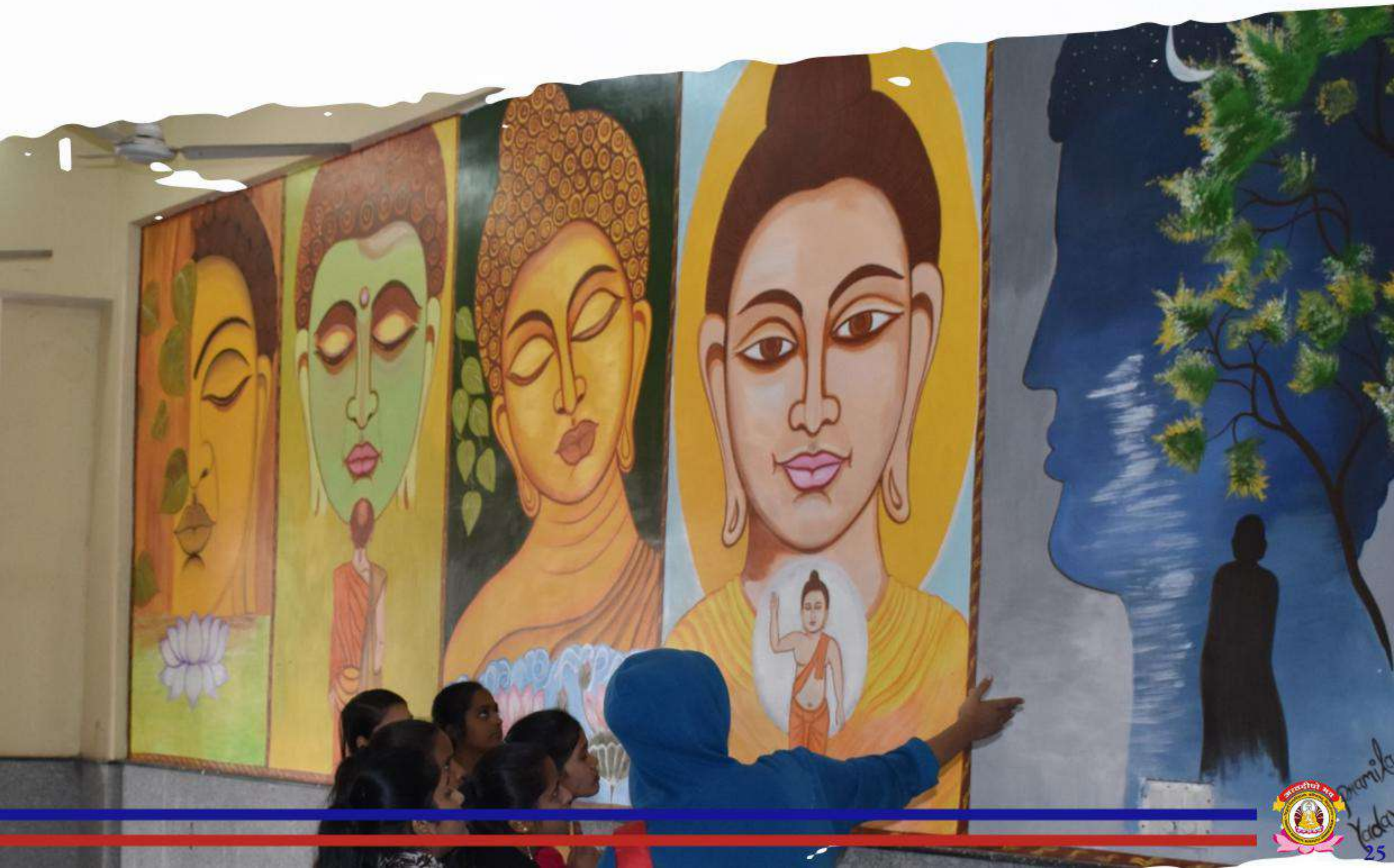

Post Graduate Courses
परास्नातक पाठ्यक्रम

S. No	Programme स्तर	Course पाठ्यक्रम	Subjects विषय	Eligibility पात्रता	Intake प्रवेश सीट	Fees / semester शुल्क प्रति सेमेस्टर
1.	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	Ancient History Culture and Archaeology प्राचीन इतिहास संस्कृति और पुरातत्व	संबन्धित विषय में 40 प्रतिशत पॉइंट के साथ स्नातक स्तर की पढ़ाई। (लोक प्रशासन को छोड़कर अन्य विषयों में स्नातक होने की स्थिति में उत्तीर्णांक प्रतिशत 50%) Passed graduation in relevant subject with 40% marks. (In case of graduation in other subjects, except in case of opting public administration , in the remaining Pass percentage 50%)	40	I Semester: ₹ 2,869.00 II Semester: ₹ 1,550.00 III Semester: ₹ 3,219.00 IV Semester: ₹ 1,550.00
2	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	Economics अर्थशास्त्र		40	
3	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	English अंग्रेज़ी		40	
4	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	Hindi हिन्दी		40	
5	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	History इतिहास		40	
6	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	Political Science राजनीति विज्ञान		40	
7	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	Psychology मनोविज्ञान		40	
8	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	Public Administration लोक प्रशासन		40	
9	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	Sanskrit संस्कृत		40	
10	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	Sociology समाजशास्त्र		40	
11	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.A. एम.ए.	Urdu उर्दू		40	

Procedure for Admission: Based on the merit. The merit list shall be prepared on the basis of the scores achieved at graduation level.
प्रवेश प्रक्रिया: प्रवेश हेतु योग्यता सूची स्नातक स्तर पर प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी।

Important: Only one application for one subject shall be accepted for admission in the courses at post graduation level. The application shall not be transferable. Candidates desirous of applying in two or more courses shall have to apply seperately in each course

महत्वपूर्ण: स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक विषय के लिए केवल एक ही आवेदन स्वीकार किया जाएगा। आवेदन हस्तांतरणीय नहीं होगा। दो या दो से अधिक पाठ्यक्रमों में आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को प्रत्येक पाठ्यक्रम में अलग-अलग आवेदन करना होगा।

Faculty of Arts

कला संकाय

Faculty of Commerce

The Faculty of Commerce came into being with the establishment of Department of Commerce in the year 2015 as the maiden academic department of Siddharth University Kapilvastu, Siddharthnagar. Later, Department of BBA was instituted in the year 2021 and Department of MBA in 2022. The faculty offers B. Com., M. Com., B.B.A., M.B.A. and Ph.D. programs

The principal aim of faculty of commerce is to develop and nurture young minds who can utilize their business knowledge for social upliftment. The faculty has very rich infrastructure facility. It has its own library catering to the needs of the students of various courses. The library has a treasure trove of outstanding books on various facets of business, management and economics.

Currently, the faculty strength comprises of 2 Professors, 2 Associate Professors and 6 Assistant Professors. The faculty represents a wonderful mix of experienced and young talents. The well qualified and spirited faculty is fully prepared to embrace the academic and research challenges emanating from the ever-dynamic economic environment. The programs are well supplemented with market-based value-added courses which are designed as per the contemporary requirements. The conduct of seminars and workshops helps the students to have an exposure with the experts at national and international level. The academic program is well designed and provides the chance for the holistic development of the students through national and international exposure, entrepreneurial opportunities, incubation of business ideas and extra-curricular activities.

वाणिज्य संकाय

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के प्रथम शैक्षणिक विभाग के रूप में वाणिज्य विभाग वर्ष 2015 में अस्तित्व में आया। तत्क्रम में, बीबीए विभाग की स्थापना वर्ष 2021 में और एमबीए विभाग की स्थापना 2022 में की गई। संकाय के अंतर्गत वर्तमान में बी०कॉम०, एम०कॉम०, बी०बी०ए०, एम०बी०ए० एवं पी०एच०डी० कार्यक्रमों का संचालन हो रहा है।

वाणिज्य संकाय का मुख्य उद्देश्य युवाओं का बौद्धिक विकास और पोषण करना है जो सामाजिक उत्थान के लिए अपने व्यावसायिक ज्ञान का उपयोग कर सकते हैं। संकाय के पास अत्यंत समृद्ध बुनियादी ढांचा एवं सुविधाएं है। विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए इसका अपना पुस्तकालय एवं कंप्यूटर लैब है। पुस्तकालय में व्यवसाय, प्रबंधन और अर्थशास्त्र के विभिन्न पहलुओं पर उत्कृष्ट पुस्तकों की एक वृहद श्रृंखला है।वर्तमान में वाणिज्य संकाय के अंतर्गत 2 आचार्य, 2 सह आचार्य और 6 सहायक आचार्य कार्यरत हैं। संकाय अनुभवी और युवा प्रतिभाओं के अद्भुत मिश्रण का प्रतिनिधित्व करता है। पूर्णतः योग्य और उत्साही वाणिज्य संकाय के सदस्यगण सदैव गतिशील आर्थिक वातावरण से निकलने वाली अकादमिक और शोध चुनौतियों से पार पाने के लिए पूर्णतः तैयार रहते हैं। वाणिज्य संकाय में संचालित सभी अकादमिक कार्यक्रम बाजार एवम समाज की आवश्यकता पर आधारित मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों के साथ अच्छी तरह से पूरक हैं जिनका निर्माण समकालीन आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित किया गया है।

संगोष्ठियों और कार्यशालाओं के आयोजन से छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के साथ संपर्क स्थापित करने में वाणिज्य संकाय सदा अग्रणी रहता है। संकाय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों की रचना बाजार एवम समाज की मांग के अनुरूप की गई है।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियां, उद्यमशीलता के अवसर, व्यावसायिक विचारों के ऊष्मायन और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास हेतु वाणिज्य संकाय सदैव प्रतिबद्ध है।

Under Graduate & Post Graduate Courses
स्नातक पाठ्यक्रम एवं परास्नातक पाठ्यक्रम

S. No	Programme स्तर	Course पाठ्यक्रम	Subjects विषय	Intake प्रवेश सीट	Eligibility पात्रता	Fees / semester शुल्क प्रति सेमेस्टर
1.	Graduate स्नातक	B.B.A. बी0बी0ए0	Bachelor of Business Administration बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन	60	10+2 with Any discipline with minimum 40% किसी भी अनुशासन (विषय) में न्यूनतम 40 प्रतिशत के साथ इन्टरमीडएट	I Semester: ₹ 5,433.00 II Semester: ₹ 4,150.00 III Semester: ₹ 5,133.00 IV Semester: ₹ 4,150.00 V Semester: ₹ 5,633.00 VI Semester: ₹ 4,150.00
2	Graduate स्नातक	B. Com. बी0 काम0	Commerce वाणिज्य	60	10+2 with Any discipline with minimum 40% किसी भी अनुशासन (विषय) में न्यूनतम 40 प्रतिशत के साथ इन्टरमीडएट	I Semester: ₹ 2,433.00 II Semester: ₹ 1,150.00 III Semester: ₹2,133.00 IV Semester: ₹1,150.00 V Semester: ₹2,633.00 VI Semester: ₹1,150.00
3	Post Graduate स्नातकोत्तर	M. Com. एम0 काम0	Commerce वाणिज्य	60	B. Com/ B.A Economics/ B.B.A/ B.Sc. Math's with minimum 40% बी0काम0/बी0ए0 अर्थशास्त्र/ बी0बी0ए0/बी0एस0सी0 गणित में न्यूनतम 40 प्रतिशत	I Semester: ₹ 2,769.00 II Semester: ₹ 1,550.00 III Semester: ₹ 3,119.00 IV Semester: ₹ 1,550.00
4	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.B.A. एम0बी0ए0	Management प्रबंधन	60	Bachelor's degree with a minimum of 50% aggregate marks or equivalent CGPA in any discipline from a recognized University/Institute. (45% for SC/ST category) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से किसी भी विषय में न्यूनतम 50% कुल अंक या समकक्ष सीजीपीए के साथ स्नातक की डिग्री। (एससी/एसटी वर्ग के लिए 45%)	I Semester: ₹ 7,769.00 II Semester: ₹ 6,550.00 III Semester: ₹ 8,119.00 IV Semester: ₹ 6,550.00

Admission Process

A. For admission in B.Com and B.B.A. the admission shall be based on merit. The merit list shall be prepared on the basis of the scores achieved by the candidates at XII standard.

बी0 काम0 और बी0बी0ए0 में प्रवेश के लिए, प्रवेश योग्यता के आधार पर होगा। बारहवीं कक्षा में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

B. For admission in M.Com the admission shall be based on merit. The merit list shall be prepared on the basis of the scores achieved by the candidates at graduation level.

एम.कॉम में प्रवेश योग्यता के आधार पर होगा। योग्यता सूची स्नातक स्तर पर उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी।

C. The following process is proposed for admission in MBA Programme for the session 2023-24:
सत्र 2023-24 के एम० बी० ए० प्रोग्राम में प्रवेश हेतु निम्न प्रक्रिया होगी :

1. 60% of seats maybe filled through NTA CUET PG for MBA/CMAT/MAT score, followed by Group Discussion (G.D.) & Personal Interview (P.I.).

60% सीटें NTA CUET (PG)/CMAT/MAT स्कोर के माध्यम से भरी जाएंगी। इसके बाद ग्रुप डिस्कशन (जीडी) और पर्सनल इंटरव्यू (पीआई) आयोजित कराया जाएगा।

2. 40% of the seats or the vacant seats shall be filled through Siddharth University MBA Entrance Test that may be conducted in the third/fourth week of July 2023 at MBA department Siddharth University, Siddharth Nagar, followed by Group Discussion (G.D.) & Personal Interview (P.I.).

40% सीटें या खाली सीटें सिद्धार्थ विश्वविद्यालय द्वारा एमबीए प्रवेश परीक्षा के माध्यम से भरी जाएंगी, जो एम बी ए विभाग सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थ नगर में जुलाई 2023 के तीसरे / चौथे सप्ताह में आयोजित की जाएगी, इसके बाद ग्रुप डिस्कशन (जीडी) और पर्सनल इंटरव्यू (पीआई) आयोजित किया जाएगा।

3. Siddharth University MBA Entrance Test shall be held on MCQ pattern, comprising 50 questions with 1 hour duration. The questions shall consist of General Awareness, Reasoning, Quantitative Aptitude and English.

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय एम. बी. ए. प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्न (एम सी क्यू) पैटर्न पर आयोजित की जाएगी,जिसमें १ घटे की अवधि के साथ ५० प्रश्न हल करने होंगे। प्रश्न सामान्य जागरूकता, तर्क, क्वाटिटेटिव एप्टीट्उड और अंग्रेजी विषयों पर आधारित होंगे।

4. The admission will be provided based on merit list prepared on the basis of combined score of the entrance test i.e., CUET/CMAT/MAT/Siddharth University Entrance Test, Group Discussion (G.D.) & Personal Interview (P.I.).

सीयूईटी/सीएमएटी/एमएटी/सिद्धार्थ विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन (जीडी) तथा पर्सनल इंटरव्यू (पीआई) के समर्ग अंको के आधार पर योग्यता क्रम सूची (मेरिट लिस्ट) प्रकाशित की जाएगी, जिसके आधारपर प्रवेश दिया जाएगा ।

5. The G.D. & P.I. shall be conducted by the department admission committee. The distribution of marks shall be 70% weightage to the entrance test, 15% to the G.D. & 15% to the P.I.

जी.डी. और पी.आई., विभाग प्रवेश समिति द्वारा आयोजित किया जाएगा। समग्र अंकों का वितरण सीयूईटी/सीएमएटी/एमएटी/सिद्धार्थ विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पर आधारित स्कोर का 70%, जी.डी. का 15% और पी.आई. का 15% होगा।

6. The consolidated merit list shall be prepared in both the cases (1) and (2) above.

उपर्युक्त (1) और (2) दोनों को मिलाकर समग्र योग्यता सूची तैयार की जाएगी।

7. The reservation policy shall be applicable as per norms of the University.

आरक्षण व्यवस्था विश्विद्यालय के मानक अनुसार लागू होगी ।

8. The admission committee shall intimate the decisions (shortlisting, result date of exam/ G.D./P.I. etc) through public notice published on university website. The candidates must check the website of Siddharth University (suksn.edu.in) on regular basis.

प्रवेश समिति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित सार्वजनिक सूचना के माध्यम से निर्णयों (शॉर्टलिस्टिंग, परीक्षा की परिणाम तिथि / G.D./P.I. आदि) को सूचित करेगी, जिसकी जानकारी प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थियों को नियमित रूप से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.suksn.edu.in) देखनी होगी।

9. The decision of the admission committee shall be final and applicable.

प्रवेश समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

Note: In case of requirement and on the basis of the recommendation of the respective admission committee, the University can conduct its own entrance test for other courses also.

नोटः आवश्यकता होने पर और संबंधित प्रवेश समिति की सिफारिश के आधार पर, विश्वविद्यालय अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी अपनी प्रवेश परीक्षा आयोजित कर सकता है।

Faculty of Commerce

वाणिज्य संकाय

Faculty of Science

The Faculty of Science was established in the year 2021 with Department of Physics and Department of Biotechnology. The Faculty of Science offers postgraduate and Ph.D. programs in Mathematics, Physics, Chemistry, Botany, Biotechnology and Zoology and undergraduate prgram in Home Science.

Faculty of Science has a team of 1 full time Professor, One Professor Emeritus, 3 Associate Professors, and 14 Assistant Professors. The faculty is dedicated to learning, teaching, and serving society through excellence in education, research, and public service.

The research and teaching contributions of the faculty members have been widely acknowledged. Several faculty members have received prestigious awards and are elected fellows of renowned scientific academies. The science faculty applies integrated pedagogy of teaching and research with state-of-the-art research and high-quality education, thus nurturing curiosity and creativity.

विज्ञान संकाय

विज्ञान संकाय की स्थापना वर्ष 2021 में भौतिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के साथ की गई थी। विज्ञान संकाय स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रदान करता है। इस संकाय के अंतर्गत गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, एवं जीव विज्ञान के विषयों में स्नातकोत्तर एवं गृह विज्ञान के विषय में स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं।

विज्ञान संकाय में 1 आचार्य, 3 सह आचार्य और 14 सहायकआचार्य हैं। संकाय शिक्षा, अनुसंधान और सार्वजनिक सेवा में उत्कृष्टता के माध्यम से सीखने, सिखाने और समाज की सेवा करने के लिए समर्पित है।

संकाय सदस्यों के अनुसंधान और शिक्षण योगदान को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। कई संकाय सदस्य प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हैं और प्रसिद्ध वैज्ञानिक अकादमियों के फेलो चुने गए हैं। विज्ञान संकाय अत्याधुनिक अनुसंधान और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के साथ शिक्षण और अनुसंधान के एकीकृत शिक्षण को लागू करता है, इस प्रकार जिज्ञासा और रचनात्मकता का पोषण करता है।

Graduate & Post Graduate Courses
स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम

S. No	Programme स्तर	Course पाठ्यक्रम	Subjects विषय	Eligibility पात्रता	Intake प्रवेश सीट	Fees / semester शुल्क प्रति सेमेस्टर
1.	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.Sc. एम. एस. सी.	Bio Technology जैव प्रौद्योगिकी	B.Sc. in relevant subjects with minimum 40% marks or equivalent CGPA	20	I Semester: ₹ 2,869.00 II Semester: ₹ 1,550.00 III Semester: ₹ 3,219.00 IV Semester: ₹ 1,550.00
2	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.Sc. एम. एस. सी.	Botany वनस्पति विज्ञान		20	
3	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.Sc. एम. एस. सी.	Chemistry रसायन विज्ञान		20	
4	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.Sc. एम. एस. सी.	Mathematics गणित		20	
5	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.Sc. एम. एस. सी.	Physics भौतिक विज्ञान		20	
6	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.Sc. एम. एस. सी.	Zoologyt प्राणि विज्ञान		20	

S. No	Programme स्तर	Course पाठ्यक्रम	Subjects विषय	Eligibility पात्रता	Intake प्रवेश सीट	Fees / semester शुल्क प्रति सेमेस्टर
1	Under Graduate स्नातक	B.Sc. बी. एस. सी.	Home Science गृह विज्ञान	10+2 in Science stream or 10+2 in any other stream with Home Science as one of the subject with minimum 40% marks or equivalent CGPA	40	I Semester: ₹ 2,533.00 II Semester: ₹ 1,250.00 III Semester: ₹ 2,233.00 IV Semester: ₹ 1,250.00 V Semester: ₹ 2,733.00 VI Semester: ₹ 1,250.00

*B.Sc. with relevant subjects, for Bio-Technology B.Sc. with Bio. Group i.e. Zoology, Botany and Chemistry. Procedure for Admission: Based on the merit. The merit list shall be prepared on the basis of the scores achieved at graduation level.

प्रवेश प्रक्रिया: योग्यता के आधार पर। योग्यता सूची स्नातक स्तर पर प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी।

Important: Only one application for one subject shall be accepted for admission in the courses at post graduation level. The application shall not be transferable. Candidates desirous of applying in two or more courses shall have to apply seperately in each course

महत्वपूर्ण: स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक विषय के लिए केवल एक ही आवेदन स्वीकार किया जाएगा। आवेदन हस्तांतरणीय नहीं होगा। दो या दो से अधिक पाठ्यक्रमों में आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को प्रत्येक पाठ्यक्रम में अलग-अलग आवेदन करना होगा।

Faculty of Science

विज्ञान संकाय

Programmes offered in Affiliated Colleges

सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रम

Faculty of Agriculture
कृषि संकाय

Under Graduate Courses
स्नातक पाठ्यक्रम

S. No	Programme स्तर	Course पाठ्यक्रम	Nature of Course पाठ्यक्रम की प्रकृति	College महाविद्यालय	Eligibility पात्रता	Intake प्रवेश सीट	Fees / semester शुल्क प्रति सेमेस्टर
1.	Under Graduate स्नातक	B.Sc. (A.g.) बी. एस. सी.	Self-finance स्ववित्तपोषित	CCS College, Pandav nagar, Basti	मान्यता प्राप्त संस्थान/बोर्ड से 10+2 की परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए* Passed 10+2 from recognized institution/ board in science stream*	240	I Semester: ₹ 1,700.00 II Semester: ₹ 1,450.00 III Semester: ₹ 1,550.00 IV Semester: ₹ 1,450.00 V Semester: ₹1,550.00 VI Semester: ₹1,450.00 VII Semester: ₹2,050.00 VIII Semester: ₹1,450.00
2	Under Graduate स्नातक	B.Sc. (A.g.) बी. एस. सी.	Self-finance स्ववित्तपोषित	Vimla Vikram PG College, Pachpedva Balrampur		120	
3	Under Graduate स्नातक	B.Sc. (A.g.) बी. एस. सी.	Self-finance स्ववित्तपोषित	Dr RML Degree College, Itwa, Siddharth Nagar		120	

*can change as per the norms of governing body | शासी नकिाय के मानदंडों के अनुसार बदल सकते हैं

Post Graduate Courses
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

S. No	Programme स्तर	Course पाठ्यक्रम	Nature of Course पाठ्यक्रम की प्रकृति	College महाविद्यालय	Eligibility पात्रता	Intake प्रवेश सीट	Fees / semester शुल्क प्रति सेमेस्टर
1.	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.Sc.(A.g.) Agronomy शस्य विज्ञान	Self-finance स्ववित्तपोषित	Chaudhary Charan Singh PG College, Pandav Nagar Basti चौधरी चरण सिंह पी0जी0 कालेज, पाण्डव नगर बस्ती	बी. एस. सी., कृषि विज्ञान, कम से कम 40% अंक अथवा समकक्ष सी जी पी ऐ के साथ B. Sc. Agriculture with minimum 40% marks or equivalent CGPA	30	I Semester: ₹ 1,800.00 II Semester: ₹ 1,550.00 III Semester: ₹ 2,050.00 IV Semester: ₹ 1,550.00
2	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.Sc.(A.g.) Horticulture उद्यान विज्ञान	Self-finance स्ववित्तपोषित			30	
3	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.Sc.(A.g.) Agriculture Extension कृषि प्रसार	Self-finance स्ववित्तपोषित			30	

Faculty of Education and Physical Education
शिक्षा और शारीरिक शिक्षा संकाय

Under Graduate & Post Graduate Courses
स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

S. No	Programme स्तर	Course पाठ्यक्रम	Nature of Course पाठ्यक्रम की प्रकृति	College महाविद्यालय	Eligibility पात्रता	Intake प्रवेश सीट	Fees / semester* शुल्क प्रति सेमेस्टर*
1.	Post Graduate स्नातकोत्तर	M.Ed.	Self-finance स्ववित्तपोषित	Pt. Ambika Pratap narayan PG College Dumri Sant Kabirnagar	*As per the norms of the University and governing body. Kindly refer to the separate brochure as provided	50	*As per the norms of the University and governing body. Kindly refer to the separate brochure as provided
				Shivshankar Chaturvedi mahavidyalaya, Dungpar Santkabirnagar		50	
				Swarn Prabha P.G.College Anandnagar Farenda Maharajganj		50	
				Smt Prabha Devi P.G college Mukhlispur Road Santkabir Nagar		50	
				Jawaharlal Nehru Smarak P.G.college Maharajganj		50	
2.	Under Graduate स्नातक	B.P.Ed.	Self-finance स्ववित्तपोषित	Jawaharlal Nehru Smarak P.G.college Maharajganj	विश्वविद्यालय प्रशासन एवं सम्बधित शासनादेश मानदडो के अनुसार शरीर । कृपया अलग दी गयी विवरणिका देखें	50	विश्वविद्यालय प्रशासन एवं सम्बधित शासनादेश मानदडो के अनुसार शरीर । कृपया अलग दी गयी विवरणिका देखें
				Smt Prabha Devi PG College, Mukhlispur Road Santkabir Nagar		50	
				Pt. Surya Narayan Chaturedi Mahavidyalaya, Nath Nagar, Santkabir Nagar		50	
				Baba Parvat Nath PG Mahavidyalay, Parvata Vishvanathpur, Santkabir Nagar		50	
				Pt. Ambika Pratap Narayan PG College, Dumari Santkabir Nagar		50	
				G.P.S. Smarak Mahavidyalaya Khalilabad		50	

*Kindly refer to the details in a separate brochure available on the University website for B.P.Ed. and M.Ed. programs.
*कृपया बी.पी.एड और एम.एड पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एक अलग विवरणिका में विवरण देखें।

Highlights of the University

विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषताएं

- Well established infrastructure, with large comfortable class rooms, computer labs seminar hall, confernce hall, bank, post office, cafeteria, sports ground, guest house etc.
- Located in a lush green environment. Free from any kind of air and water pollution.
- Fully residential and Wi-fi Campus with 500 MBPS speed
- World renouned and highly qualified faculty members with high impact factor research and publications
- Well equipped computer lab
- Programs as per National Education Policy 2020 and Choice-based Credit System
- Multidisciplinary and Interdisciplinary learning environment
- Well equipped library with latest titles of books and journals
- Support for preperation in competitive exams
- Skill development facilities and vocational trainings
- Facilities for supporting and incubating the new business ideas and entrepreneruship
- Scholarships for the deserving and eligible students
- Counselling and menter-mentee support to all the students
- MoUs with national and international institutions
- One of the fastest growing University of India
- Separate Hostels for Boys and Girls

- बड़े सुविधा संपन्न शिक्षण कक्ष, कंप्यूटर लैब, सेमिनार हॉल, कॉन्फ्रेंस हॉल, बैंक, डाकघर, कैफेटेरिया, खेल मैदान, गेस्ट हाउस आदि के साथ अच्छी तरह से स्थापित बुनियादी ढांचा।
- हरे-भरे वातावरण में स्थित है। किसी भी तरह के वायु और जल प्रदूषण से मुक्त।
- पूर्ण आवासीय एवं शैक्षणिक परिसर ८०० एम्.बी. पी एस. की गति के वाई फाई सुविधा से युक्त
- उच्च प्रभाव कारक अनुसंधान और प्रकाशनों के साथ विश्व प्रसिद्ध और योग्य शिक्षक
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार कार्यक्रम और चॉइस-बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सी. बी. सी. एस.)
- बहुआयामी और अंत:विषय सीखने का माहौल
- पुस्तकों और पत्रिकाओं के नवीनतम शीर्षकों के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सहायता
- कौशल विकास सुविधाएं और व्यावसायिक प्रशिक्षण
- नए व्यावसायिक विचारों और उद्यमशीलता को समर्थन देने और विकसित करने के लिए सुविधाएं
- योग्य और पात्र छात्रों के लिए छात्रवृत्ति
- सभी छात्रों को परामर्श और परामर्शदाता समर्थन
- नवीनतम साधनों से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ साझेदारी
- भारत के सबसे तेजी से बढ़ते विश्वविद्यालय में से एक
- महिला एवं पुरुष छात्रावास (पृथक-पृथक)

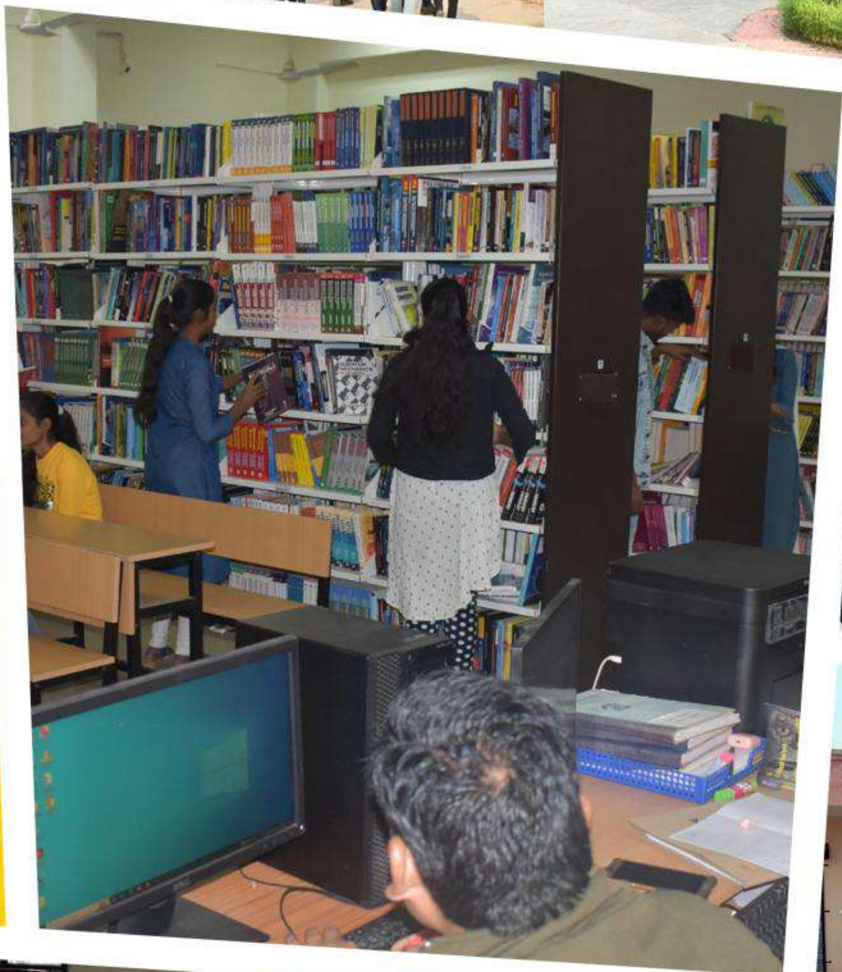

बैंक एवं पोस्ट आफिस

Life At Campus
परिसर में जीवन

The students and the young faculty and staff are the energy of the campus. Highly motivated faculty, staff and students are involved in the sports and cultural activities.

The students participate in the promotion of Green Campus, Swachcha Bharat Abhiyan and programs under Azadi ka Amrit Mahotsav.

The male and female students prepare themselves with the healthy body and mind with the practice of self-defense activities such as Taekando and Yoga.

The University has well established Hostels separately for boys and the girls. The rooms are well lighted and properly ventilated.

With its commitment for the holistic education and creating a supportive environment, the University has solar energy, wheeling the grid and sensor based energy conservation that make the campus energy efficient and environmentally responsible.

The bank branch at the campus helps in catering to the financial requirements of the people.

The grocery shops and cafeteria the daily requirements of the people on the campus.

छात्र, युवा शिक्षकगण और कर्मचारी परिसर की ऊर्जा हैं। अत्यधिक प्रेरित शिक्षक, छात्र और कर्मचारी खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होते हैं।

छात्र हरित परिसर, स्वच्छ भारत अभियान और आजादी का अमृत महोत्सव के तहत कार्यक्रमों के प्रचार में भाग लेते हैं।

छात्र और छात्राएं ताइकांडो और योग जैसी गतिविधियों के अभ्यास से आत्मरक्षा, स्वस्थ शरीर और दिमाग के साथ खुद को तैयार करते हैं।

विश्वविद्यालय ने छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास स्थापित किए हैं। कमरे अच्छी तरह से रोशन हैं और ठीक से हवादार हैं।

समग्र शिक्षा और सहायक वातावरण बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ, विश्वविद्यालय के पास सौर ऊर्जा, व्हीलिंग ग्रिड और सेंसर आधारित ऊर्जा संरक्षण है जो परिसर को ऊर्जा कुशल और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार बनाता है।

परिसर में बैंक शाखा लोगों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करती है।

किराने की दुकानें और कैफेटेरिया परिसर में लोगों की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

पौष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
कुलपति

विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर
द्वारा आयोजित
का अमृत महोत्सव

अधिकार
जन वाचन
KARATE

विश्वविद्यालय
परम्परा

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर
की
राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई

1 Pl OF 7/46 UP NCC Coy
KAPILVASTU, SIDDHARTHNAGAR- 272202

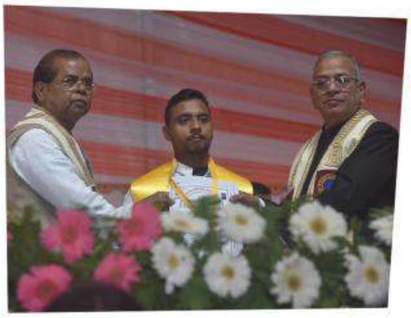

Siddharth Incubation Foundation
सिद्धार्थ इन्क्यूबेशन फाउंडेशन

Supported with Government of Uttar Pradesh the foundation is dedicated for promoting the ideas of the aspirants and give a platform for the start-ups in the region. It has an objective of creating startup, innovation and incubation awareness as well as provide the incubation support to the registered start-ups.

उत्तर प्रदेश सरकार के समर्थन से यह फाउंडेशन उम्मीदवारों के विचारों को बढ़ावा देने और क्षेत्र में स्टार्ट-अप के लिए एक मंच देने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य स्टार्टअप, इनोवेशन और इन्क्यूबेशन जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ पंजीकृत स्टार्ट-अप्स को इनक्यूबेशन सहायता प्रदान करना है।

Pt. Deendayal Upadhyay Shodhpeeth
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

The Shodhpeeth is focused on promoting the interdisciplinary research, knowledge management and dissipation of the ideology of antoday and ekatm manavaad. The center is key for the sensitization and development of humanistic values among students along with the scientific and socially vibrant disposition.

शोधपीठ अंतःविषय अनुसंधान, ज्ञान प्रबंधन और अंत्योदय और एकात्म मानववाद की विचारधारा के अपव्यय को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। केंद्र वैज्ञानिक और सामाजिक रूप से जीवंत स्वभाव के साथ-साथ छात्रों के बीच मानवतावादी मूल्यों के संवेदीकरण और विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

International Buddhist Center
(Centre of Excellence for Hinduism, Buddhism and Jainism)

This center of excellence has been established as a focal point of the Siddharth University, in order to expand the scientific approach to understanding the life through the teachings of Buddha. The Centre is dedicated to the study teaching and Research of Buddhism and its contemporaries such as Mahaveer Swami. The centre has an objective to study, teach and research upon the primordial of Buddhism, Jainism Traditions viz. Hindu or Santana Vedic philosophy, along with its related Indian and other Indian languages.

The center has been organizing workshops, seminars and providing opportunities for the multidisciplinary research with an objective of propagating the humanistic values among students and society at large.

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध केंद्र
(हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म के लिए उत्कृष्टता केंद्र)

बुद्ध की शिक्षाओं के माध्यम से जीवन को समझने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विस्तार करने के लिए उत्कृष्टता के इस केंद्र को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के केंद्र बिंदु के रूप में स्थापित किया गया है। केंद्र बौद्ध धर्म और उसके समकालीन जैसे महावीर स्वामी के अध्ययन, शिक्षण और अनुसंधान के लिए समर्पित है। केंद्र का उद्देश्य हिंदू या सनातन वैदिक दर्शन, इसके संबंधित भारतीय और अन्य भारतीय भाषाओं के साथ साथ बौद्ध धर्म, जैन धर्म की परंपराओं का अध्ययन, शिक्षण और शोध करना है।

केंद्र कार्यशालाओं, संगोष्ठियों का आयोजन भी करता रहा है और बड़े पैमाने पर छात्रों और समाज के बीच मानवतावादी मूल्यों का प्रचार करने के उद्देश्य से बहु-विषयक अनुसंधान के अवसर प्रदान करता है।

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते

संसार में ज्ञान के समान पवित्र कुछ भी नहीं है

There is nothing in the world as sacred as knowledge

शिक्षण संस्थाओं की रीढ़ होते हैं शिक्षक :कुलपति

- सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु में व्याख्यान श्रृंखला का समापन कार्यक्रम
- प्रस्तुत शोध पूर्ण व्याख्यान के बाद 55 शिक्षकों को मिला प्रमाणपत्र

सिद्धार्थनगर, निज संवाददाता। शिक्षण संस्थाओं की रीढ़ शिक्षक होते हैं। शोध पूर्ण व्याख्यान जैसे कार्यक्रम से उनके अंदर शोध की दृष्टि विकसित होने के साथ-साथ ज्ञानवर्धन का भी विस्तार होगा। आज के तकनीकी युग में सभी शिक्षकों को पीपीटी तैयार करने का अभ्यास महत्वपूर्ण है। व्याख्यान में श्रोता का ध्यान रखना बहुत आवश्यक होता है। ये बातें सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के कुलपति प्रो. हरि बहादुर श्रीवास्तव ने शनिवार को विवि में व्याख्यान श्रृंखला के समापन कार्यक्रम में कहीं। इस दौरान 55 शिक्षकों को उनके द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम में प्रस्तुत शोध पूर्ण व्याख्यान के लिए प्रमाण पत्र दिया गया।

कुलपति ने कहा कि अब सभी संकाय अपने अपने स्तर पर अपने शिक्षकों को आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करें। उनके अंदर व दक्षता विकसित करने के अवसर उपलब्ध कराएं। व्याख्यान श्रृंखला के संयोजक प्रो. सौरभ, शोध पीठ की चेयरपर्सन प्रो. मंजू द्विवेदी, अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. हरीश शर्मा आदि रहे।

शतरंज में अनामिका ने रुपाली को दी मात

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विवि में अंतर संकाय महिला शतरंज प्रतियोगिता में एमएससी भौतिक विज्ञान तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अनामिका ने कला संकाय के बीए तृतीय सेमेस्टर की रुपाली को फाइनल मुकाबले में पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विवि में चल रहे अंतर संकाय महिला शतरंज प्रतियोगिता में विज्ञान कला एवं वाणिज्य संकाय से कुल 12 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

नवाचार से मिलेंगे रोजगार के अवसर

राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित हैं सिवि के छात्र

सिवि में एमबीए के पहले बैच की पढ़ाई का किया शुभारंभ, पाठ्यक्रम से परिचित हुए छात्र

निरंतर प्रयास अधिकतम सफलता का आधार है: कुलपति

यूथ इण्डिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर में गुरुवार कोकला संकाय बीए एवं एमए के नवागत छात्र-छात्राओं के इंडक्शन कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव ने कहा कि निरंतर प्रयास अधिकतम सफलता का आधार है। सतत प्रयास कठिन से कठिन उद्देश्यों की प्राप्ति सहज बना देती है। धैर्य इसके लिए महत्वपूर्ण है। नियमित कक्षा अध्यापन विद्यार्थी जीवन में ज्ञान अर्जित करने हैं की सबसे बड़ी साधना है। पुस्तक का अनवरत अध्ययन सही अर्थों में ही विद्या है। इसलिए नियमित रूप से पुस्तकालय में बैठकर स्वध्यय्न कर असीम ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन विद्यार्थियों को इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि केवल किताबी ज्ञान ही उनके लिए आवश्यक नहीं है, वरन व्यक्तित्व के अन्य आयामों के लिए भी सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानवान व्यक्ति निर्मित करना नहीं अपितु श्रेष्ठ और उत्तम मनुष्य निर्मित कर समाज में उसकी उपयोगिता और उपादेयता बनाने का भी प्रयास होता है। जिससे समाज और राष्ट्र के लिए उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होसके। किसी संस्थान का विद्यार्थी जितना ही ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा वह संस्थान भी उसी अनुपात में उन्नति की ओर अग्रसर होगा। विद्यार्थी विश्वविद्यालय के अम्बेसडर होते हैं। इससे पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता विज्ञान संकाय देवेश कुमार ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान का भंडार होता है। विश्वविद्यालय केवल परंपरागत अध्ययन अध्यापन के लिए नहीं होता अपितु उसकी उपादेयता शोध के वातावरण को सृजित कर शोध के क्षेत्र के विभिन्न आयामों को निर्मित करना होता है। इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो दीपक बाबू ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का होना अनिवार्य होता है। उत्तम आचरण और श्रेष्ट संस्कार विद्यार्थी की वास्तविक पहचान होती है। कार्यक्रम में विषय प्रस्तावना रखते हुए अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय उत्तम और उत्कृष्ट संस्थान होता है।

रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से प्रेरणा लें छात्र : प्रो . हरीश शर्मा

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर : सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में शनिवार को रानी लक्ष्मी बाई जयंती को मातृशक्ति दिवस के रूप में मनाया। व्याख्यान में शिक्षक व छात्रों ने लक्ष्मीबाई के जीवन पर प्रकाश डाला। छात्रों को इससे प्रेरणा लेने की सलाह दी।

अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई राष्ट्र अस्मिता की प्रतीक हैं। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में वीरता और साहस के साथ उन्होंने अंग्रेजों का विरोध किया। जीवन के अंतिम समय तक भारत की अस्मिता और उसके स्वाभिमान के लिए लड़ते हुए प्राणों की आहुति दी। सूचना जनसंपर्क अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में वर्तमान पीढ़ी को गौरवमयी इतिहास व परंपरा से परिचित कराने का काम हो रहा है। डा. सरिता सिंह, डा. जसवंत यादव, डा. मयंक कुशवाहा आदि मौजूद रहे। वाणिज्य संकाय के एमबीए विभाग में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। राष्ट्रीय विकास में नारी नेतृत्व की भूमिका विषयक संगोष्ठी हुई।

कार्यक्रम समन्वयक डा. कहकशाँ खान ने आज की नारी हर क्षेत्र में आगे आ रही है। अध्यक्षता प्रो. सौरभ ने किया। डा. दीपक जायसवाल, डा. मनीष, डा. दीपक आदि मौजूद रहे।

बार्क ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में स्थापित किया रेडॉन जियो स्टेशन

सिद्धार्थनगर। भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) मुंबई की ओर से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर में रेडॉन जियो स्टेशन स्थापित कर दिया गया है। इससे भूकंप तरंगों का आकलन संभव हो सकेगा। राष्ट्रीय परियोजना के तहत सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित स्टेशन ने काम करना भी शुरू कर दिया है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव ने बताया कि रेडॉन जियो स्टेशन का भार 100 किलोग्राम है। इसके लिए कैंपस में दो गुणा दो मीटर की जगह ली गयी है। ऐसी जगह पर स्थापित किया है, जहां सूर्य की पूरी रोशनी मिलती रहे। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलसचिव राकेश कुमार ने का कहना है कि इस तरह की पहल से विश्वविद्यालय को भी लाभ मिलेगा।

बार्क के विकिरणीय भौतिकी एवं सलाहकार प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. बीके सहा ने 02 सितंबर 2021 को में रेडॉन जियो स्टेशन स्थापित करने हेतु प्रस्ताव का कुलपति प्रो. एच. बी. श्रीवास्तव को पत्र भेजा था। इस पर विश्वविद्यालय ने सहमति दे दी थी।

प्रो. एच. बी. श्रीवास्तव ने बताया कि अब इस सेंटर का डाटा सीधे मुंबई बार्क में पहुंच जाएगा। इस क्षेत्र में भूमि के नीचे की रेडियोधर्मी तत्वों से संबंधित तमाम जानकारी बार्क को मिलती रहेगी। इस डाटा को कई तरह के रिसर्च करने में मदद मिलेगी। भविष्य में कई अन्य परियोजनाओं को लेकर भी यह स्टेशन काम आएगा।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि फिलहाल हमें सीधे इसका आर्थिक लाभ नहीं मिलेगा, नेपाल हिमालय की तलहटी में उत्पन्न भूकंप तरंगों की जानकारी मिल सकेगी। भविष्य में फिजिक्स, जियो फिजिक्स, जियोलॉजी से संबंधित शोध में मदद मिल सकेगी। इसके अलावा रेडिएशन के खतरों की जानकारी होने पर बचाव के उपाए किए जा सकेंगे। बार्क ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में स्थापित किया रेडॉन जियो स्टेशन।

उड़ीसा के सम्बलपुर विश्वविद्यालय में आयोजित हुई ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला कबड्डी प्रतियोगिता

महिला कबड्डी में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय चैंपियन

अशिक्षित महिलाओं को साक्षर बना रहा विवि

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ने 10 गावों को लिया है गोद, फैल रहा जागरूकता

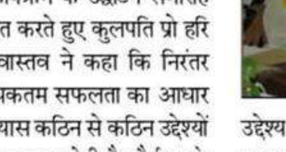

महिला प्रधानों से मुखर होने का आव्हान

टीम में सात सदस्य शामिल

स्वस्थ जीवन के लिए अनिवार्य है पौधारोपण : कुलपति

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर : सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने ...वार को तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र में औषधीय एवं पौराणिक पौधों को लगाया। जीवन में इन पौधों के महत्व को बताया। सभी को पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र परिसर में पौधारोपण करते कुलपति प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव (मध्य में)। ● जागरण

कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय परिसर व संबद्ध कालेजों में वृहद रूप से पौधारोपण का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। मानव जीवन में वृक्ष को मित्र की भांति माना गया है। औषधीय पौधों से कई लाभ मिलते हैं। पीपल, अशोक, नीम आदि अनेक औषधीय पौधे हैं। जिनसे मानव जीवन सुगम व सुलभ हो जाता है। कोरोना संक्रमण काल में जब आक्सीजन की कमी हुई तो सभी ने वृक्षों के महत्व को जाना। यह पर्यावरण को शुद्ध करने में सहयोगी साबित होते हैं। इसलिए पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए भी पौधारोपण करना चाहिए। परिसर में अभी और पौधारोपण किया जाएगा।

कुलसचिव राकेश कुमार वित्त अधिकारी अजय सोनकर सहायक कुलसचिव दीनानाथ यादव अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. हरीश शर्मा, डा.पूर्णेश नारायण सिंह, तथागत अंतरराष्ट्रीय केंद्र के प्रभारी डा अखिलेश दीक्षित, डा.अविनाश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय

कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश (भारत)

Admission Enquiries

For Faculty of Arts:
Prof. Harish Kumar Sharma, Dean, Faculty of Arts
प्रो० हरीश कुमार शर्मा, संकायाध्यक्ष, कला संकाय: +91-7983809664
Dr. Neeta Yadav, Head and Associate Professor
डॉ० नीता यादव, विभागाध्यक्ष एवं सह आचार्य: +91-9415073315

For Faculty of Commerce:
Prof. Deepak Babu, Dean, Faculty of Commerce
प्रो० दीपक बाबू, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय: +91-7905285627
Prof. Saurabh, Professor, Management
प्रो० सौरभ, आचार्य, प्रबंधन: +91-7985304605

For Faculty of Science:
Prof. Prakriti Rai, HoD, Mathematics, Faculty of Science
प्रो० प्रकृति राय, विभागाध्यक्ष, गणित, विज्ञान संकाय: +91-9650896267
Dr. Jitendra Kumar Singh, Accociate Professor
डॉ० जीतेन्द्र कुमार सिंह, सह आचार्य: +91-9483593884

CONTACT US

Address: Kapilvastu Siddharth Nagar, UP, India - 272202
Emergency Support: | Mobile No: 6388907627 | Helpline Support: Mobile No: 6388907626
Email ID: admission@suksn.edu.in | Website: www.suksn.edu.in